सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

विश्व चैंपियनशिप में खिताब का बचाव ना कर पाने पर बोले नीरज चोपड़ा -पेज: 7

ट्रेंड्स नहीं, क्रिएटिविटी के लिए काम करना मेरा मकसद : सबा आजाद -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 163 | शनिवार 20 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

द्रमुक सरकार दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रही है: उदयनिधि स्टालिन

तमिलनाडु : तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार शिक्षा, रोजगार और कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से दिव्यांगजनों के अधिकारों की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व में सरकार दिव्यांगजनों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न तरीकों पर काम कर रही है। स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा के लिए दिव्यांगजनों को 2,000 रुपये से एक लाख रुपये तक की शिक्षा सहायता प्रदान करने के अलावा, सरकार ने खेलों में भी उन्हें बहुत महत्व दिया है। उदयनिधि ने यहां एक बयान में कहा, विशेष रूप से, हमने अब तक तमिलनाडु चैंपियंस फाउंडेशन के माध्यम से विदेशों में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए लगभग 200 दिव्यांग छात्रों को पांच करोड़ रुपये तक की राशि प्रदान की है। इसी

क्यों जल्दी रुका पाक से संघर्ष? वायुसेना प्रमुख बोले- भारत ने दिखाया युद्ध खत्म करने का सही तरीका

चुनाव आयोग ने तुरंत जवाब देते हुए ...

वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान संघर्ष को जल्दी समाप्त करने का कारण स्पष्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत के आतंकवाद विरोधी मुख्य उद्देश्य प्राप्त हो चुके थे। उन्होंने जोर दिया कि युद्ध को अहंकार के बजाय स्पष्ट लक्ष्यों के साथ शुरू कर

नई दिल्ली (एजेंसी): वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि इस वर्ष मई में ऑपरेशन सिंदूर के बाद सैन्य संघर्ष के दौरान बहुत से लोग चाहते थे कि पाकिस्तान के साथ लड़ाई बंद न हो। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई समाप्त कर दी गई, क्योंकि मुख्य उद्देश्य प्राप्त हो गए थे। भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि हमें आतंकवादी लक्ष्य दिए गए थे। हमने उन पर सटीक हमला किया। जब हमारे दुश्मनों ने युद्ध रोकने से इनकार कर दिया और हम पर हमला करने की कोशिश की, तो हमने उन पर जोरदार हमला किया। उनके कई अड्डे क्षतिग्रस्त हो गए। उनके कई बुनियादी ढांचे, रडार, नियंत्रण और समन्वय केंद्र, उनके हैंगर, विमान, को बहुत नुकसान हुआ। एपी सिंह ने कहा कि पिछली बार जब बालाकोट स्ट्राइक हुई थी, तो वायुसेना से बार-बार पूछा गया था कि हम अपने लोगों से तो ज्यादा पूछते हैं, लेकिन दूसरों के बारे में कम सोचते हैं, इसलिए बार-बार पूछा गया कि कुछ दिख नहीं रहा है। मुझे लगता है कि सबसे अच्छी चीजों में से एक ये थी कि राजनीतिक इच्छाशक्ति थी। हमारे नेतृत्व ने हमें स्पष्ट निर्देश दिए, और कोई प्रतिबंध नहीं लगाए गए। हमें योजना बनाने की पूरी आजादी दी गई, और एकजुटता थी; तीनों सेनाएँ एक साथ बैठी थीं, एक साथ चर्चा कर रही थीं, एक साथ योजना बना रही थीं, सीडीएस के साथ, अन्य एजेंसियों के साथ, एनएसए इसमें एक बड़ी भूमिका निभा रहे थे। एयर चीफ मार्शल ने कहा कि आज जो मुख्य युद्ध चल रहे हैं, चाहे वह रूस हो, यूक्रेन हो या इजराइल युद्ध। ये चल रहे हैं, सालों बीत गए हैं, क्योंकि कोई भी संघर्ष समाप्ति के बारे में नहीं सोच रहा है... हमने सुना है कि लोग कह रहे हैं कि नहीं, हमें थोड़ा और करना चाहिए था। हमने युद्ध बहुत जल्दी रोक दिया। हाँ, वे पीछे हट गए थे, इसमें कोई शक नहीं, लेकिन हमारे उद्देश्य क्या थे? हमारा उद्देश्य आतंकवाद विरोधी था। हमें उन पर प्रहार करना ही था। हमने वो किया। तो अगर हमारे उद्देश्य पूरे हो गए हैं, तो हम संघर्ष क्यों न समाप्त करें? हम संघर्ष क्यों जारी रखें? क्योंकि किसी भी संघर्ष की बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि यह अगले संघर्ष के लिए हमारी तैयारियों को प्रभावित करेगा। यह हमारी अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगा। यह देश की प्रगति को प्रभावित करेगा। इसलिए, मुझे लगता है कि दुनिया यही भूल रही है। उन्हें नहीं पता कि युद्ध शुरू करते समय हमारा लक्ष्य क्या था। अब उनका लक्ष्य बदल रहा है। अहंकार बीच में आ रहा है। और यहीं पर मुझे लगता है कि दुनिया को भारत से यह सबक सीखना चाहिए कि किसी संघर्ष को कैसे शुरू किया जाए और जल्द से जल्द कैसे समाप्त किया जाए। एपी सिंह ने कहा कि हमने जो लंबी दूरी की एलआर-एसएएम, एस-400 खरीदी थी, वे इस मामले में गेम चेंजर साबित हुईं। उनके लंबी दूरी के रडार और मिसाइल सिस्टम दुश्मन के विमानों को उनके ही क्षेत्र में घुसकर धमका सकते थे। इसलिए हम कुछ ऐसा करने में सक्षम थे कि वे अपने क्षेत्र में भी काम नहीं कर सकते थे। उनकी रेंज उनके हथियारों की रेंज से ज्यादा थी, इसलिए वे बिना खतरे के हथियार छोड़ने की सीमा तक भी नहीं आ सकते थे और जो आते भी थे, उन्हें नुकसान का सामना करना पड़ता था। इसलिए, यह एक गेम-चेंजर था...।

ऑपरेशन सिंदूर पर राजनाथ सिंह बोले- 26 पर्यटकों की मौत का बदला लेकर दुश्मन को दिया करारा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन के जरिए भारत ने दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि हमारा बदला कितना मजबूत और निर्णायक हो सकता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय सुरक्षा बलों ने जिस साहस, कॉर्डिनेशन और रणनीति के साथ इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, उसने यह साबित कर दिया है कि जीत अब हमारे लिए कोई अपवाद नहीं, बल्कि एक आदत बन चुकी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में आगे कहा कि आजादी के बाद से ही भारत को अपने पड़ोसियों के मामले में भाग्यशाली परिस्थितियां नहीं मिली हैं। हमें हमेशा चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। लेकिन भारतीयों की यही खासियत है कि हमने इन चुनौतियों को भाग्य मानकर स्वीकार नहीं किया, बल्कि कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प से अपनी नियति खुद गढ़ी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को अपनी इस जीत की आदत को हमेशा बनाए रखना होगा। कब हुआ था'ऑपरेशन सिंदूर' भारतीय सुरक्षा बलों ने 6-7 मई की रात को 'ऑपरेशन सिंदूर' को सफलतापूर्वक अंजाम दिया था। यह ऑपरेशन जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले का सीधा जवाब था, जिसमें 26 टूरिस्टों को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। इस हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सभी संबंधों को खत्म कर दिया था। यहां तक कि भारत ने पाकिस्तान को जाने वाले सिंधु नदी के पानी को भी रोक दिया था। भारत ने PoK में 100 से ज्यादा आतंकी ठिकानों पर हमला किया। इस कार्रवाई में 100 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया गया। इस ऑपरेशन ने यह साबित कर दिया कि भारत किसी भी आतंकी हमले का जवाब देने में सक्षम है और दुश्मन को उसके घर में घुसकर सबक सिखा सकता है।

समुद्र से समृद्धि कार्यक्रम में शिरकत, नेशनल मरीन हेरिटेज कॉम्प्लेक्स की समीक्षा, पीएम मोदी के गुजरात दौरे को लेकर क्या जानकारी सामने आई

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 सितंबर को भावनगर, गुजरात का दौरा करेंगे, जहाँ वे 1.5 ट्रिलियन रुपये 17, 02, 40,25, 000.00 अमेरिकी डॉलर की लागत वाली कई परिवर्तनकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। ट्रांसफॉर्मिंग मैरीटाइम सेक्टर कॉन्क्लेव के तहत आयोजित यह कार्यक्रम, 2047 तक वैश्विक समुद्री क्षेत्र में अग्रणी बनने के भारत के दीर्घकालिक दृष्टिकोण की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री की इस यात्रा में एक जनसभा और एक रोड शो शामिल होगा, जिसमें राष्ट्रीय विकास के प्रति बहुआयामी दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला जाएगा। ये परियोजनाएँ देश भर में बंदरगाहों के बुनियादी ढाँचे, जहाज निर्माण और तटीय विकास को बढ़ावा देंगी, जो मैरीटाइम इंडिया विजन 2030 के अनुरूप हैं। प्रमुख पहलों में कई बंदरगाहों का व्यापक उन्नयन शामिल है। कोलकाता के श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह पर एक नए कंटेनर टर्मिनल का उद्घाटन किया जाएगा। पारादीप बंदरगाह पर एक नए कंटेनर बर्थ और कार्गो हैंडलिंग सुविधाओं का शुभारंभ होगा। इसके अलावा, कामराजर बंदरगाह पर नई अग्निशमन सुविधाओं और आधुनिक सड़क संपर्क का उद्घाटन किया जाएगा। तटीय सुरक्षा के लिए चेन्नई बंदरगाह पर एक मजबूत समुद्री दीवार और पुनर्निर्माण कार्य एक नई परियोजना होगी। कांडला स्थित दीनदयाल बंदरगाह पर, टूना टेकरा के तट पर एक बहुउद्देश्यीय कार्गो बर्थ, एक हरित जैव-मेथनॉल संयंत्र और एक तेल जेटी का शुभारंभ किया जाएगा। इंदिरा डॉक पर मुंबई अंतर्राष्ट्रीय क्रूज टर्मिनल (एमआईसीटी) का भी उद्घाटन किया जाएगा, जिसका उद्देश्य भारत के क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देना है। प्रधानमंत्री जहाज निर्माण और रसद पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे। पटना और वाराणसी में नई जहाज मरम्मत सुविधाओं का शुभारंभ किया जाएगा, साथ ही वाराणसी में एक फ्रेट विलेज भी बनाया जाएगा। रणनीतिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाएँगे, जिनमें से एक जहाज निर्माण के लिए कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) और एचडी केएसओई के बीच, और दूसरा जहाज मांग एकत्रीकरण के लिए शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) और प्रमुख तेल कंपनियों (आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल) के बीच होगा।

ममता बनर्जी की भाभी की कॉलेज अध्यक्ष नियुक्ति न्यायिक जांच के घेरे में, एचसी ने दिए संकेत

कलकत्ता (एजेंसी): कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भाभी, कजरी बनर्जी की रानी बिड़ला गर्ल्स कॉलेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस पद के लिए शिक्षा के क्षेत्र से किसी व्यक्ति की आवश्यकता है। अंतरिम राहत प्रदान करते हुए, न्यायालय ने कॉलेज की प्रिंसिपल श्राबंती भट्टाचार्य के खिलाफ कजरी बनर्जी द्वारा 3 जुलाई को जारी किए गए नोटिस और 29 अगस्त को जारी निलंबन आदेश पर आठ सप्ताह के लिए रोक लगा दी। साथ ही, न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि उनकी नियुक्ति की वैधता की न्यायिक जाँच की आवश्यकता है। अदालत ने समिति अध्यक्ष के रूप में कजरी बनर्जी की नियुक्ति पर भी संदेह जताया और कहा कि इस मुद्दे पर छह सप्ताह में फिर से सुनवाई की जाएगी। यह ताजा घटनाक्रम भट्टाचार्य द्वारा कारण बताओ नोटिस को चुनौती देने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के बाद सामने आया है। इस मामले की पहली सुनवाई न्यायमूर्ति बिस्वजीत बोस ने की, जिन्होंने एक अंतरिम आदेश जारी किया। जब महाधिवक्ता ने उनसे मामले से अलग होने का अनुरोध किया, तो न्यायमूर्ति बोस ने नाराजगी व्यक्त की, लेकिन बाद में अपने कदम वापस ले लिए। बाद में इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति बिवास पटनायक की पीठ ने की। उसी दिन न्यायाधीश ने प्रबंध समिति के अध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस जारी कर लिए गए निर्णय पर अस्थायी रोक लगा दी। न्यायाधीश ने कहा कि 2017 के कानून के अनुसार, कॉलेज का प्रबंधन गठित करने के बजाय, प्रबंध समिति का संचालन राज्य सरकार द्वारा नामित पाँच लोगों द्वारा किया जा रहा है। न्यायाधीश ने कहा कि इस मुद्दे पर विस्तृत सुनवाई की आवश्यकता है।

लालू परिवार में बढ़ी वर्चस्व की जंग, तेजस्वी के करीबी को रोहिणी आचार्य ने दिखाया आईना

बिहार (एजेंसी): राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद के परिवार में लंबे समय से राज्यसभा सदस्य संजय यादव के खिलाफ चल रहा विरोध खुलकर सामने आ गया, जब उनकी छोटी बेटी रोहिणी आचार्य ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया। इसकी आग परिवार को और झुलसा सकती है, राजद और उसके नेता तेजस्वी प्रसाद यादव की छवि को नुकसान पहुँचा सकती है, और आगामी विधानसभा चुनावों में उनकी संभावनाओं को भी नुकसान पहुँचा सकती है। लालू पहले ही अपने बड़े बेटे और हसनपुर से विधायक तेज प्रताप यादव से अलग हो चुके हैं, क्योंकि उन्होंने शादीशुदा होने के बावजूद एक लड़की के साथ लंबे समय से प्रेम संबंध होने की बात स्वीकार की थी। रोहिणी द्वारा शेयर की गई पोस्ट पटना के आलोक कुमार ने लिखी थी। इसमें संजय एक छोटी बस की अगली सीट पर बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं, जिसे वैनिटी वैन में बदल दिया गया है और जिसका इस्तेमाल लालू के छोटे बेटे और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव अपनी बिहार अधिकार यात्रा के लिए कर रहे हैं। रोहिणी द्वारा शेयर की गई आलोक की पोस्ट में लिखा है, "आगे की सीट हमेशा शीर्ष नेता के लिए होती है और उनकी अनुपस्थिति में भी किसी को उस पर नहीं बैठना चाहिए। हालाँकि, अगर कोई खुद को शीर्ष नेतृत्व से ऊपर समझता है तो यह अलग बात है।" इसमें आगे कहा गया है कि "हम समेत पूरा बिहार लालू जी और तेजस्वी यादव को आगे की सीट पर बैठे देखने का आदी है। उस पर किसी और का बैठना हमें बिल्कुल अस्वीकार्य है। यह उन चापलूसों के लिए अलग बात है जो एक घटिया व्यक्ति में एक उल्लेखनीय रणनीतिकार, सलाहकार और रक्षक देखते हैं।" हालाँकि यह तस्वीर किस तारीख को खींची गई, यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन तेजस्वी ने 16 सितंबर को बिहार अधिकार यात्रा शुरू की थी। पाँच दिवसीय यह यात्रा जहानाबाद से शुरू होकर लगभग 10 जिलों से होते हुए 20 सितंबर को वैशाली में समाप्त होगी। फेसबुक पोस्ट से संकेत मिलता है कि राजद में, खासकर लालू परिवार में, संजय का विरोध बढ़ रहा है।

लालू की बड़ी बेटी और पाटलिपुत्र से सांसद मीसा भारती और बड़े बेटे तेज प्रताप लंबे समय से तेजस्वी पर उनके प्रभाव और मौजूदगी के विरोधी माने जाते रहे हैं। तेज प्रताप अक्सर अपने सोशल मीडिया पोस्ट में 'देशद्रोहियों' का ज़िक्र करते रहे हैं और उन्हें बेनकाब करने की धमकी देते रहे हैं। उन्हें संजय के लिए खतरा माना जाता था।

सीएम योगी ने की पीएम मोदी की तारीफ, कहा- उन्होंने भारत को विश्व शक्ति बनाने का काम संभव कर दिखाया

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि खुद को धर्मनिरपेक्ष बताने वाली केंद्र की पिछली सरकारें भारत को विश्व शक्ति बनाने में नाकाम रहीं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे संभव कर दिखाया।

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि खुद को धर्मनिरपेक्ष बताने वाली केंद्र की पिछली सरकारें भारत को विश्व शक्ति बनाने में नाकाम रहीं लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे संभव कर दिखाया। योगी ने कहा, पिछले 11 साल में हमने भारत को बदलते देखा है। पिछली सरकारों के लोग, जो खुद को धर्मनिरपेक्ष कहते थे, अपनी सरकारों में भारत को विश्व शक्ति बनाने के लिए असंभव शब्द जोड़ देते थे। इस असंभव को पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संभव कर दिखाया है, जिन्होंने दीनदयाल उपाध्याय के मंत्र को आत्मसात किया है।" मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मथुरा में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेले को संबोधित कर रहे थे। योगी ने कांग्रेस और सपा पर निशाना साधते हुए कहा, पिछली सरकारों में भारत को ताकतवर बनाने की दिशा में असंभव' शब्द जुड़ा था। उत्तर प्रदेश की स्थिति इतनी बिगड़ गई थी कि आजादी के समय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 14 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाला राज्य 2017 तक देश की आठवीं अर्थव्यवस्था बनकर रह गया। लेकिन डबल इंजन' सरकार ने सूबे को फिर से देश की नंबर दो की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प पूरा किया। मुख्यमंत्री ने कहा, कश्मीर को कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने देश के लिए नासूर' बना दिया था। कभी लोग कहते थे कि धारा 370 हटाना असंभव है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने इसे संभव कर दिखाया। इसी तरह राममंदिर को लेकर जो संकल्प था, वह भी मोदी सरकार ने पूरा किया। उन्होंने कहा, याद कीजिए लोग कहते थे कि क्या कश्मीर से अनुच्छेद 370 कभी हट पाएगा लेकिन आज उसे भारत का अभिन्न अंग बनाने का महान काम किया जा चुका है। योगी ने कहा कि पंडित दीन दयाल जी का मंत्र था कि भारत की अर्थनीति का आधार स्वदेशी होना चाहिए और यही कारण है कि आज एक जिला एक उत्पाद योजना और ह्वोकल फॉर लोकल' अभियान से लाखों कारीगरों व शिल्पकारों को रोजगार मिला है। उन्होंने लोगों से आने वाले त्योहारों में केवल स्वदेशी उत्पादों का ही उपहार देने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा, विदेशी सामान के बजाए हमें अपने स्थानीय उत्पादों को खरीदना चाहिए ताकि पैसा हमारे कारीगरों और किसानों तक पहुंचे, न कि आतंकवाद और नक्सलवाद फैलाने वाली ताकतों के पास। उन्होंने कहा, स्वदेशी है तो स्वावलंबन है, स्वावलंबन हैं तो स्वाधीनता बनी हुई है और स्वाधीनता है तो हमे सशक्त होने से कोई रोक नहीं सकता। यही पंडित दीन दयाल जी का मंत्र है। योगी ने कहा कि आज भारत का युवा नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला बनने की क्षमता रखता है। मुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का समय युवाओं का है और प्रदेश के पास सबसे बड़ी युवा ऊर्जा है और यही भारत को आगे ले जाएगी। उन्होंने बताया, मुख्यमंत्री युवा योजना के तहत सरकार पांच लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त, गारंटी मुक्त लोन उपलब्ध करा रही है। जनवरी से अब तक 70 हजार युवाओं ने इसका लाभ उठाया है

संपादकीय

लाठी अदालत की

सुप्रीम कोर्ट ने सर्दियां शुरू होने से पहले तीन सप्ताह के भीतर राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डो, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग व केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड.को वायु प्रदूषण रोकने के उपाय पेश करने को कहा है। उप्र, हरियाणा, राजस्थान, पंजाब जैसे राज्यों से नाराजगी जताते हुए रिक्तियां भरने के लिए छह महाने का समय दिया। वायु गुणवत्ता आयोग केंद्र सरकार का वैधानिक निकाय है जिसका लक्ष्य दिल्ली एनसीआर में वायु गुणवत्ता का प्रबंधन व सुधार करना है। दिल्ली एनसीआर में हरियाणा, उप्र, राजस्थान व पंजाब के हिस्से शामिल हैं, जो प्रति वर्ष सर्दियों में भीषण वायु प्रदूषण की चपेट में आ जाते हैं। पीठ ने दंड़ प्रावधानों पर भी जोर दिया। अदालत के बार-बार कहने के बावजूद राज्य सरकारों की तरफ से वायु गुणवत्ता के सुधार के ठोस कदम नहीं उठाए जाते। आयोग के गठन के बावजूद समाधान ढूंढ़ने व राज्यों तथा एजेंसियों के बीच समन्वय स्थापित करने को लेकर परिवर्तनकारी मानक नहीं बनाए गए हैं। सर्दियां शुरू होते ही वाहनों के धुएं, धूल-मिट्टी, कारखानों व पराली जलाने के कारण पर्यावरण पर गहरी चादर छा जाती है जो श्वसन-तंत्र के लिए घातक सिद्ध होती है। वाहन उत्सर्जन मानकों को तय करने सालों-साल से चर्चा हो रही है। किसानों या पड़ोसी राज्यों को इस प्रदूषण का दोषी ठहरा कर दिल्ली अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती। निर्माण कार्य रोकने का सीधा असर दिहाड़ी मजदूरों को झेलना पड़ता है। पुराने वाहनों की आवाजाही पर पाबंदी से साधारण यात्री की दिक्कतों का अंदाजा वातानुकूलित लग्जरी कारों में बैठने वाले नहीं लगा सकते। फिजूल बातें, अपुष्ट दावों, नौकरशाही व जिम्मेदारी से हाथ झाड़.कर सिर्फ सालोंसाल राजनीति की जाती है। बीते साल राजधानी की वायु गुणवत्ता सूचकांक पांच सौ के पार जाने पर तहलका मच गया था। मगर नागरिकों के हितों की अनदेखी और स्वास्थ्यगत जटिलताओं के प्रति उपेक्षा बरतते हुए सरकारों ने तात्कालिक उपायों पर ही जोर लगाया। ठोस कदम उठाने या संकट से निपटने की तैयारी करने के प्रति सरकारी रैवया उदासीन बना हुआ है। अदालत से फटकार के बावजूद संस्थाओं तथा आयोगों के अविवेक, अकर्मणयता व शक्तिहीनता का खमियाजा अंततः आम नागरिक को भुगतना पड़ता है। प्रदूषण के चलते सबसे अधिक दुर्दशा गरीबों व दिहाड़ी कामगारों की होती है जिस पर विचार करने में सरकार को कोताही नहीं करनी चाहिए।

चिंतन-मनन

अनमोल हैं कड़वे बोल

किसी ने कहा है कि अंधेरे में माचिस तलाशता हुआ हाथ, अंधेरे में होते हुए भी अंधेरे में नहीं होता, इस तलाश को अपने भीतर निरंतर जीवित रखना कोई साधारण बात नहीं है, परंतु जो लोग सफर की हदों को पहचानते हैं, जिन्हें हर मंजिल के बाद किसी नए सफर पर चल पड़ने की लत है, उनके भीतर से यह खोज कभी खत्म नहीं होती। अचूक शैली में, अपने क्रांतिकारी विचारों से लोगों को अपनी ही खोज के तौर तरीके बताने वाले राष्ट्रसंत मुनि तरुणसागर जी महाराज की वाणी सहज आकर्षण का विषय बन गई है। ऐसे समय में जब अपने हक में हर खुशी बटोर लेने की अदम्य लालसा लोगों को दुनिया के दु?ख दर्द से कोसों दूर ले जा रही है। मुनि श्री दुनिया को खुशी और गम की सही परिभाषा बता रहे हैं। यह सिर्फ संयोग नहीं है कि वे जहां भी पहुंचते हैं, सबसे पहले यही कहते हैं कि मैं कथा सुनाने नहीं जीवन की व्यथा सुनाने आया हूं। यह व्यथा घर-घर की कहानी है, जिसे एक बड़े आईने की शक्ल में सामने रखकर मुनि तरूण सागर जी पुकार कर कह उठते हैं कि इसे न तो ठुकराओ, न ही झुठलाने की कोशिश करो, बेहतर यही है कि इस व्यथा के बीच से ही जीवन का रस हासिल कर लो। मुनि तरुण सागर जी के बोल, सुनने वाले को भावित-प्रभावित तो करते ही हैं, उसे झकझोर कर भी रख देते हैं। उन्हें सुनते समय या पढ़ते समय आप अनुभव करते हैं कि आपकी अपनी जिंदगी एक धारावाहिक के रूप में आपकी आंखों के सामने तैरने लगी है। उनकी वाणी अतीत की जड़ता से उबारने और वर्तमान की लापरवाही के प्रति सचेत करने का काम करती है। वह आपके जख्मों को सहलाने के बदले यदि अधिक कुरदने की मुद्रा में दिख भी रही हो तो भी यह नहीं भूलना चाहिए कि मुनि श्री आपको स्थाई रूप से तंदुरूस्त बनाने का उद्यम कर रहे हैं। सूत्र शैली में संदेश देने वाले मुनि तरूण सागर जी को अपनी वाणी को कड़वे प्रवचन कहने पर इत्मीनान यदि है तो सिर्फ इसलिए कि वे जानते हैं, इंसान की प्रवृत्ति और कभी न बदलने की उसकी जिद इतनी कठिन और जटिल है कि सीधी उंगली से घी निकालना मुमकिन नहीं है। आज साहित्य, संस्कृति और समाज के हर मंच पर महिला जागृति या नारी विमर्श का दौर ही चल पड़ा है। मुनि तरूण सागर जी साफ शब्दों में कहते हैं कि समाज पुरुष प्रधान है, परंतु याद रखना चाहिए कि महिलाओं की भूमिका पुरुषों से भी बड़ी है। वे सत्य से मुंह मोड़ने या पीछे हटने वाले समाज को न सिर्फ जगाते हैं बल्कि अपने कड़वे बोल से कोसने में भी कोई गुरेज नहीं करते। सच के पाखंडी चेहरे को पहचानने वाली उनकी गहरी दृष्टि सजग करती हैं कि वास्तव में जो सत्य है उसे किसी बनावट की जरूरत नहीं है। संघर्ष में सत्य परेशान हो सकता है किन्तु पराजित नहीं होता।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मोदी-ट्रंप के सार्थक संवाद से क्या राह बदलेगी?

ललित गर्ग

नई दिल्ली में भारत-अमेरिकी व्यापार वार्ता की बाधाओं को दूर करने पर दोनों पक्षों के बीच सकारात्मक बातचीत के दौरान करीब तीन महीने बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को फोन करके जन्मदिन की बधाई देते हुए रूस-यूक्रेन युद्धविराम का समर्थन करने के लिए आभार जताना, दोनों देशों के बीच रिश्तों में आई तल्खी को कम करने की कोशिश मानी जानी चाहिए। मोदी और ट्रंप के बीच हुई इस बातचीत ने दोनों देशों के रिश्तों में नई आशा और सकारात्मकता का संचार किया है। क्योंकि अमेरिका के एकतरफा टैरिफ और कुछ तीखे बयानों के बावजूद भारत ने संयम बरता एवं तीखी प्रतिक्रिया की बजाय मसले के सुलझने का इंतजार करते हुए विवेक एवं समझदारी का परिचय दिया। भारत पर थोपे गए ट्रंप के 50 प्रतिशत टैरिफ को लेकर अमेरिका में साफ तौर पर दो विरोधी स्वर सुनाई पड़ रहे हैं। ऐसे माहौल में जरूरी हो गया है कि दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर संवाद जारी रहे। इसी बात को अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने स्वीकार करते हुए यह उम्मीद जताई थी कि आखिरकार अमेरिका और भारत साथ आएंगे, यही मौजूदा वक्त की सबसे बड़ी जरूरत है। मोदी एवं ट्रंप का ताजा संवाद इसी की निष्पत्ति बना है। यह संवाद मोदी के 75वें जन्मदिवस के अवसर पर हुआ और इसमें अतीत की कई कड़वाहटों को पीछे छोड़कर भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। दरअसल, दोनों नेताओं की बातचीत का बड़ा कारण शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में रूस, चीन और भारत के शीर्ष नेताओं की गर्मजोशी भी बना, उससे ट्रंप की चिंताएं बढ़ी थी, इस बैठक के बाद ही पहली बार ट्रंप के रुख में नरमी के संकेत मिले थे। उसके बाद दस सितंबर को फिर ट्रंप ने कहा कि भारत-अमेरिका व्यापार वाताओं की बाधाओं को दूर करने पर बातचीत जारी है। ताजा वार्ता ने यह संदेश दिया कि भारत और अमेरिका के रिश्ते किसी एक घटना या परिस्थिति पर निर्भर नहीं, बल्कि दीर्घकालीन रणनीति और साझा हितों की नींव पर खड़े हैं।

आज की दुनिया में भारत और अमेरिका का रिश्ता केवल द्विपक्षीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक परिदृश्य को भी प्रभावित करता है। अमेरिका जहां विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और सैन्य शक्ति है, वहीं भारत उभरती हुई आर्थिक ताकत और सबसे बड़ा लोकतंत्र है। दोनों की साझेदारी लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और वैश्विक शांति की आकांक्षाओं पर आधारित है। हाल के वर्षों में कभी-कभी मतभेद जरूर सामने आए-जैसे व्यापार शुल्क, वीजा नीतियां, भारत-पाक सीजफायर और रक्षा समझौते इन मतभेदों के बावजूद रणनीतिक साझेदारी मजबूत होती रही है। भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध लंबे समय से चर्चा का विषय रहे हैं। कभी शुल्क वृद्धि को लेकर तनाव हुआ, तो कभी आयात-निर्यात की नीतियों को लेकर असहमति। किंतु ट्रंप-मोदी वार्ता के बाद एक बार फिर नए समझौते और अवसर सामने आ सकते हैं। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और आईटी, सेवा क्षेत्र, ऊर्जा और तकनीकी निवेश में दोनों के बीच गहरा सहयोग है। प्रधानमंत्री मोदी ने व्यापारिक अड़चनों को दूर करने पर जोर दिया है और ट्रंप ने भी व्यापार घाटे को कम करने के लिए सहयोग का संकेत दिया। यह संकेत आने वाले समय में द्विपक्षीय व्यापार को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं।

भारत और अमेरिका का रक्षा सहयोग पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। अमेरिका ने भारत को महत्वपूर्ण रक्षा तकनीक उपलब्ध कराई है और संयुक्त सैन्य अभ्यासों से सुरक्षा साझेदारी मजबूत हुई है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए भारत-अमेरिका का रक्षा सहयोग न केवल द्विपक्षीय है, बल्कि पूरे क्षेत्रीय संतुलन के लिए अहम है। चीनी मनमानी पर नियंत्रण के लिए अमेरिका को खासतौर पर भारतीय सहयोग की जरूरत है। इसी मकसद से क्वॉड का गठन किया गया, जिसे अमेरिकी सरकार ने तवज्जो भी दी। लेकिन, ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी की वजह से क्वॉड के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं, वॉशिंगटन में यह भी चिंता बनी कि पिछले दो दशकों में भारत-अमेरिका रिश्तों में जो प्रगति हुई थी, वह ट्रंप की महत्वाकांक्षाओं एवं अतिश्योक्तिपूर्ण हरकतों से पिछले कुछ दिनों में बेकार होती हुई दिख रही थी। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार दोनों शीर्ष नेताओं की बातचीत से अब अंधेरे छंटते हुए दिख रहे हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन कायम रखने में और बड़ी भूमिका निभाए, वहीं भारत अपनी सामरिक स्वतंत्रता बनाए रखते हुए सहयोग को और गहरा करना चाहता है।

भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में अमेरिका एक अहम सहयोगी बन सकता है। अमेरिका से तरलीकृत प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल का आयात बढ़ रहा है। यह न केवल ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा, बल्कि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा। तकनीकी क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच साझेदारी मजबूत है। सूचना प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष अनुसंधान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे क्षेत्रों में सहयोग आने वाले दशकों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। अमेरिका में बसे भारतीय मूल के लोग दोनों देशों के बीच सेतु का कार्य कर रहे हैं। चाहे राजनीति हो, शिक्षा, स्वास्थ्य या तकनीक-भारतीय-अमेरिकी समुदाय का योगदान उल्लेखनीय है। यह समुदाय भारत और अमेरिका के बीच रिश्तों को भावनात्मक और सांस्कृतिक आधार देता है। ट्रंप और मोदी की बातचीत में भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रशंसा भी हुई, जिसने दोनों देशों के बीच विश्वास और निकटता को और बढ़ाया।

भारत और अमेरिका दोनों आतंकवाद से प्रभावित रहे हैं। 9/11 की घटना ने अमेरिका को और 26/11 ने भारत को गहरे जख्म दिए। यही कारण है कि आतंकवाद के खिलाफ दोनों का दृष्टिकोण काफी हद तक समान है। हाल की बातचीत में आतंकवाद को समाप्त करने और सुरक्षा सहयोग को बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। अफगानिस्तान और मध्य-एशिया की परिस्थितियों को देखते हुए भारत और अमेरिका का सहयोग वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए निर्णायक हो सकता है। ट्रंप और मोदी की बातचीत ने यह साबित किया है कि अतीत के मतभेद रिश्तों का अंत नहीं, बल्कि नए संवाद का अवसर बन सकते हैं। व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, तकनीक और आतंकवाद जैसे क्षेत्रों में सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी है। आज जब दुनिया वैश्विक महामारी, आर्थिक संकट, युद्ध की विभीषिका और भू-राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रही है, भारत और अमेरिका की साझेदारी नई दिशा और स्थिरता का संकेत देती है।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार-वार्ता में बेशक व्यवधान आए हों, पर भारत और यूरोपीय संघ के बीच जिस गति से वार्ता हो रही है, उससे वर्ष के अंत तक दोनों में व्यापार समझौता होने की पूरी उम्मीद है। असल में दोनों देशों के बीच पांच दौर की व्यापार वार्ता हो चुकी है, लेकिन 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद छठे दौर की प्रस्तावित वार्ता रुक गई थी, जो बीते मंगलवार से फिर पटरी पर लौट आई है। दरअसल, ट्रंप प्रशासन चाहता है कि भारत अपने कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी कंपनियों के लिए पूरी तरह से खोले, लेकिन भारत के लिए यह संभव नहीं है, क्योंकि यह उसके किसानों व मछुआरों के हितों के खिलाफ है। भारत पहले ही कह चुका है कि वह किसानों, डेयरी उत्पादकों एवं एमएसएमई के हितों से कोई समझौता नहीं करेगा।

सड़क सुरक्षा : व्यवस्था की पोल खोलते हादसे

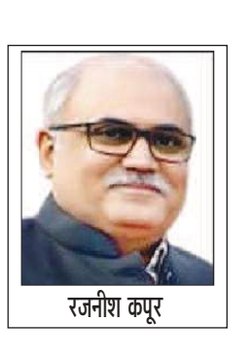

रजनीश कपूर

दिल्ली-भारत की राजधानी-जो तेजी से विकसित हो रही है, में सड़कें न केवल प्रगति का प्रतीक हैं, बल्कि मौत का भी सैलाब बन चुकी हैं। 14 सितम्बर, 2025 को दिल्ली में फिर दिल दहला देने वाली घटना घटी, जब एक बीएमडब्ल्यू कार ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वित्त मंत्रालय के अधिकारी नवजोत सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई। आए दिन देश के अलग-अलग जगहों से ऐसी घटनाओं की खबर मिलती हैं, जो देश की सड़क सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल कर रख देती हैं। सड़क हादसों के मुख्य कारण हैं-आपातकालीन सेवाओं की कमी, यातायात नियमों की अवहेलना और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की सुस्ती। सबसे पहले, हालिया दुर्घटना को समझें। नवजोत सिंह की मौत के मामले में पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी की कार की गति निर्धारित गति सीमा से काफी अधिक थी। लेकिन हादसे के बाद जो सबसे बड़ी लापरवाही सामने आई, वह थी प्राथमिक चिकित्सा सहायता की अनुपस्थिति। यदि 'गोल्डन ऑवर'-यानी हादसे के पहले घंटे में उचित उपचार मिल जाता तो शायद नवजोत सिंह बच जाते। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में सड़क दुर्घटनाओं में 50 प्रतिशत मौतें प्री-हॉस्पिटल चरण में हो जाती हैं क्योंकि आपातकालीन सेवाएं अपर्याप्त हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 1,55,622 सड़क मौतें हुई जिनमें से 69,240 दोपहिया वाहनों से जुड़ी थीं। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, 2022 में 4,64,910 दुर्घटनाओं में 1,47,913 मौतें हुई। समस्या यह है कि भारत में एंबुलेंस सेवाएं जैसे 108 या 102, अक्सर ओवरलोडेड होती हैं। ग्रामीण और राजमार्गीय इलाकों में तो स्थिति और भी खराब है। यहां एंबुलेंस पहुंचने में औसतन 45 मिनट से एक घंटा लग जाता है।

एक अध्ययन के अनुसार, राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटना स्थल से ट्रॉमा सेंटर तक पहुंचने में देरी से 40 प्रतिशत मौतें बढ़ जाती हैं। दिल्ली में, जहां वाहनों की संख्या 1 करोड़ से अधिक है, ट्रैफिक जाम एंबुलेंस को रोक देता है। फोरेंसिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि प्री-हॉस्पिटल इमरजेंसी केयर मजबूत होती तो 30-50 प्रतिशत जानें बच सकतीं। लेकिन सरकार की '5ई' रणनीति-इंजीनियरिंग, एजुकेशन, एनफोर्समेंट, इमरजेंसी केयर, में इमरजेंसी केयर पर निवेश न्यूनतम है। नतीजा? हर दिन 405 मौतें और 1,290 घायल। यह राष्ट्रीय संकट है।

यातायात नियमों की अवहेलना की बात करें। इसका बड़ा कारण 'चलता है' वाली मानसिकता है। इंटरनेट पर कई प्लेटफॉर्म्स पर चचाओं से साफ है कि लोग नियमों को 'सजावटी' मानते हैं। ओवरस्पीडिंग, बिना हेलमेट या सीटबेल्ट ड्राइविंग, लेन तोड़ना, आम हैं। क्यों? पहला, जागरूकता की कमी। स्कूलों में ट्रैफिक नियमों की शिक्षा पर्याप्त नहीं दी जाती। नतीजा, बच्चे बड़े होकर भी नियमों को महत्त्व नहीं देते। दूसरा, जनसंख्या घनत्व। 1.3 अरब आबादी वाले देश में सड़कें ओवरलोड हैं, लोग सोचते हैं, 'एक-दो नियम तोड़ लूंगा, क्या फर्क पड़ेगा?' तीसरा, सामाजिक दबाव। यदि कोई रेड लाइट पर रुकता है, तो पीछे से हॉर्न बजते हैं, गालियां पड़ती हैं, ट्रैफिक में समय की कमी से तनाव बढ़ता है, और नियम तोड़ना 'स्मार्ट' लगता है। चौथा, सांस्कृतिक पक्ष। भारत में 'जुगाड़' संस्कृति प्रचलित है। नियम तोड़ना 'चालाकी' माना जाता है।

एक सर्वे के अनुसार, अधिकांश ड्राइवरों को नियमों की पूरी जानकारी ही नहीं है। परिणामस्वरूप, 2023 में 35,000 पैदल यात्री और 10,000 बच्चे दुर्घटनाओं का शिकार बने। जनता जागरूक होती, तो ये आंकड़े कम होते। इस अवहेलना का एक प्रमुख कारण है कानून प्रवर्तन एजेंसियों की सुस्ती भी है। ट्रैफिक पुलिस की कमी भयानक है। ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डवलपमेंट के अनुसार, 85,144 ट्रैफिक पुलिस पदों में 30 प्रतिशत और 58,509 कांस्टेबल पदों में 39 प्रतिशत रिक्त हैं। बिना सख्ती के, लोग नियम तोड़ते हैं। क्यों आलसी हैं एजेंसियां? पहला, संसाधनों की कमी। कैमरे, स्पीड गन्स, बॉडी कैमरे आदि जैसे उपकरण अपर्याप्त हैं। मोटर व्हीकल एक्ट, 2019 में सख्त जुमार्ने जोड़े गए लेकिन ये लागू नहीं होते। दूसरा, भ्रष्टाचार, छोटे-मोटे उल्लंघनों पर 50-100 रुपये में सेटलमेंट हो जाता है, जिससे डर समाप्त हो जाता है। तीसरा, प्राथमिकताएं, पुलिस अन्य अपराधों पर फोकस करती है, ट्रैफिक को सेकेंडरी मानती है। चौथा, प्रशिक्षण की कमी, अधिकारी सड़क डिजाइन या व्यवहार समझ नहीं पाते। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, खराब सड़क डिजाइन और साइनेज भी दुर्घटनाएं बढ़ाते हैं, लेकिन प्रवर्तन कमजोर है। विदेशों की तरह यदि भारत में भी सख्ती हो, तो सुधार संभव है। नवजोत सिंह जैसी मौतें हमें झकझोरती हैं, यदि हम नहीं चेते, तो और कितने परिवार बिखरेंगे? (लेख में विचार निजी हैं)

अडाणी को क्लीन चिट मिलने के बाद क्या अब हिंडनबर्ग और राहुल गांधी माफी मांगेंगे

जनवरी 2023 में अमेरिकी शॉर्ट-सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने भारतीय उद्योग जगत के सबसे बड़े नामों में शुमार अडाणी समूह पर गंभीर आरोप लगाए। आरोपों का स्वरूप इतना सनसनीखेज था कि देखते ही देखते शेयर बाजार में भूचाल आ गया। करोड़ों निवेशकों की मेहनत की कमाई रातों-रात डूब गई और भारत की वैश्विक आर्थिक साख पर प्रश्नचिह्न लगाने की कोशिश हुई। यह केवल एक कॉर्पोरेट विवाद नहीं था, बल्कि भारत की औद्योगिक प्रगति को बदनाम करने की सुनियोजित साजिश थी।

हम आपको याद दिला दें कि हिंडनबर्ग ने अपने तथाकथित रिसर्च रिपोर्ट में अडाणी समूह पर स्टॉक मैनिपुलेशन और फर्जी अकाउंटिंग के आरोप लगाए। रिपोर्ट ऐसे समय में जारी की गई जब अडाणी एंटरप्राइजेज अपना 20,000 करोड़ रुपये का मेगा पब्लिक ऑफर लाने जा रही थी। इसका सीधा असर यह हुआ कि निवेशकों का विश्वास हिल गया और शेयरों में भारी गिरावट दर्ज हुई। चिंता की बात यह थी कि भारत के कुछ विपक्षी दलों ने भी इस रिपोर्ट को सच मानकर इतना दुष्प्रचार किया मानो पूरा अडाणी समूह भ्रष्टाचार और घोटालों का अड्डा हो। संसद से लेकर सड़क तक इस रिपोर्ट को हथियार बनाकर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश हुई। इस राजनीतिकरण ने विदेशी निवेशकों में भी भ्रम फैलाया और भारत के कॉर्पोरेट जगत की विश्वसनीयता पर आघात पहुँचा।

लेकिन लगभग दो साल की लंबी और गहन जाँच के बाद भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) ने साफ कह दिया है कि अडाणी समूह के खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार और आधारहीन थे। जाँच में पाया गया कि जिन वित्तीय लेन-देन को हिंडनबर्ग ने 'फर्जी' बताया, वे सब कानूनी रूप से वैध ऋण और पुनर्भुगतान थे। न तो धन का गबन हुआ, न ही किसी अवैध पार्टी को फायदा पहुँचाया गया। यहाँ तक कि जाँच के दौरान लिए गए सभी ऋण ब्याज समेत वापस किए गए। SEBI ने अपने आदेश में यह भी कहा कि इन लेन-देन को 'रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन' या 'फर्जीवाड़ा' नहीं कहा जा सकता। यानी, आरोपों का कोई कानूनी या आर्थिक आधार ही नहीं था।

देखा जाये तो हिंडनबर्ग रिपोर्ट के चलते जो हुआ, वह किसी भी देश के उद्योग जगत के लिए चेतावनी है। अडाणी समूह के शेयरों में अचानक भारी गिरावट आई। छोटे-बड़े करोड़ों निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ा। यह नुकसान केवल अडाणी का नहीं था, बल्कि भारत के वित्तीय बाजार और निवेश माहौल का भी था। गौतम अडाणी ने स्वयं कहा कि इस विवाद से उन्हें सबसे अधिक दुख इस बात का है कि आम निवेशकों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। यह कथन उनकी व्यक्तिगत पीड़ा को दर्शाता है और यह भी बताता है कि एक सुनियोजित झूठ कितनी बड़ी आर्थिक तबाही ला सकता है।

देखा जाये तो हिंडनबर्ग की यह रिपोर्ट मात्र एक रिसर्च डॉक्युमेंट नहीं थी। यह स्पष्ट था कि इसके पीछे राजनीतिक और आर्थिक स्वार्थ छिपे हुए थे। एक तरफ अमेरिकी और पश्चिमी ताकतें भारत की तेज आर्थिक वृद्धि और उसके वैश्विक प्रभाव से चिंतित थीं, दूसरी तरफ कुछ घरेलू राजनीतिक दलों ने इसे अपने लाभ के लिए हथियार बना लिया। इस साजिश का परिणाम यह हुआ कि भारत की छवि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करने की कोशिश हुई। विदेशी मीडिया ने भी इस विवाद को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया। परंतु समय ने साबित कर दिया कि यह सब केवल भारत की औद्योगिक क्षमता को चोट पहुँचाने का प्रयास था।

अब जबकि सेबी की रिपोर्ट ने सभी आरोपों को झूठा सिद्ध कर दिया है, तो सबसे पहला कर्तव्य हिंडनबर्ग और उनके समर्थकों का बनता है कि वे भारत और निवेशकों से माफी मांगें। इसके साथ ही, भारत के विपक्षी दलों को भी आत्ममंथन करना चाहिए कि क्या केवल राजनीतिक विरोध के लिए वे ऐसी अंतरराष्ट्रीय साजिशों का हिस्सा बन सकते हैं? लोकतंत्र में असहमति और आलोचना जरूरी है, लेकिन जब बात राष्ट्रहित और निवेशकों के विश्वास की हो, तो विपक्ष को भी जिम्मेदारी दिखानी चाहिए।

हिंडनबर्ग रिसर्च तो अपनी कंपनी बंद कर चुका है, लेकिन उसकी अप्रमाणित रिपोर्ट के आधार पर देश की संसद का पूरा सत्र ठप करने वाले विपक्षी दल आज भी सक्रिय हैं। उस समय जिस तरह से उन्होंने निराधार आरोपों को हवा दी, विदेशी एजेंडे को ताकत दी और करोड़ों निवेशकों के भरोसे को चोट पहुँचाई, वह केवल राजनीतिक अवसरवाद नहीं बल्कि राष्ट्रीय हितों के साथ खिलवाड़ था। आज जबकि सच सामने आ चुका है और नियामक संस्था ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया है, विपक्षी दलों को कम से कम देश और जनता से माफी माँगनी चाहिए।

बहरहाल, हिंडनबर्ग प्रकरण ने हमें यह सिखाया है कि किसी विदेशी रिपोर्ट या आरोप को आँख मूँदकर सच नहीं मान लेना चाहिए। इस मामले ने करोड़ों निवेशकों को झकझोरा, अडाणी समूह की छवि को धक्का पहुँचाया और भारत की साख को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चुनौती दी। परंतु अंततः सच्चाई सामने आई और स्पष्ट हुआ कि यह सब एक रचा-बसा षड्यंत्र था। अब समय आ गया है कि न केवल हिंडनबर्ग, बल्कि इस साजिश में शामिल राजनीतिक ताकतें भी देश और निवेशकों से सार्वजनिक रूप से माफी माँगें। क्योंकि भारत की औद्योगिक प्रगति किसी एक कंपनी की नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की आर्थिक शक्ति का प्रतीक है। और उस पर चोट करना सीधे-सीधे राष्ट्रहित पर चोट करना है।

वन स्टॉप सेन्टर पर हिंसा से पीडित महिलाओं के लिए दिए कानूनी सहायता व परामर्श

अमरोहा (सब का सपना):- सेवा पखवाडा 2025 स्वस्थ नारी सशक्त परिवार (17सितंबर से 2 अक्टूबर तक) के उपलक्ष में जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आदेशों के अनुपालन में तथा मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी राकेश सिंह के दिशा निदेर्शानुसार शुक्रवार को वन स्टॉप सेन्टर पर हिंसा से पीडित महिलाओं हेतु कानूनी सहायता व परामर्श हेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में सतेन्द्र कुमार, अधिवक्ता द्वारा बताया महिलाओं को सम्बोधित करते हुए बताया कि घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 है, जो महिलाओं को शारीरिक, भावनात्मक, यौन, मौखिक और

आर्थिक दुर्व्यवहार से सुरक्षा प्रदान करता है। यह अधिनियम महिलाओं को हिंसा मुक्त घर में रहने का अधिकार सुनिश्चित करता है और घरेलू संबंध में किसी भी पुरुष अपराधी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की अनुमति देता है। इसके साथ ही दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 यह अधिनियम दहेज की मांग या लेन-देन को गैरकानूनी घोषित करता है। महिलाओं को अपने कानून और अधिकारों की जानकारी होना बहुत ही जरूरी है। अधिवक्ता द्वारा कहा गया कि अगर किसी महिला के साथ हिंसा होती है तो सहना नहीं चाहिए उसे सरकार

द्वारा दिए गए सुविधाओं का प्रयोग करना चाहिए। महिला हेल्पलाईन 181 या पुलिस हेल्पलाइन 112 में शिकायत करना चाहिए। कोई महिला को जुर्म सहने की आदत नही डालना चाहिए। इस अवसर पर हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन (भ्ॅ) के कार्मिक कृ0 ललिता रानी, जेण्डर विशेषज्ञ, अपूर्वा एवं सखी वन स्टॉप सेन्टर की ममता दुबे, सेन्टर मैनेजर, करूणा निधि, मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता, अनुराधा भारती, पैरामेडिल नर्स, स्वाति सिंह, केस वर्कर, तरन्नुम, केस वर्कर, नरेन्द्र पाल एवं आदि उपस्थित रहे।

ग्राम प्रहरियों को सशक्त प्रहरी बनाने के उद्देश्य से किया गया सामग्री का वितरण

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना नौगावां सादात पर ग्राम प्रहरियों हेतु सामग्री वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुल 100 ग्राम प्रहरियों को टॉर्च, आईडी कार्ड, छाता एवं बैंत वितरित किए गए। इस मौके पर ग्राम प्रहरियों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली गई एवं कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही उन्हें उनके कर्तव्यों और दायित्वों के प्रति जागरूक करते हुए बताया गया कि उनकी सतर्कता और सक्रियता से ग्रामीण क्षेत्रों में अपराध की रोकथाम एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान संभव है। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद के द्वारा पुलिस लाईन अमरोहा में कुल 120 ग्राम प्रहरियों को साइकिल, टॉर्च, आईडी कार्ड, छाता एवं बैंत वितरित किए

गए तथा शेष ग्राम प्रहरियों के उक्त सामान खरीदवाकर सभी थानों पर भिजवाया गया है । थानों द्वारा सभी ग्राम प्रहरियों को यह सामान वितरित कर सशक्त किया जा रहा है । पुलिस अधीक्षक का यह प्रयास ग्राम प्रहरियों को सशक्त बनाने और पुलिस-जन सहयोग को और अधिक मजबूत करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। टॉर्च से रात्रिकालीन गश्त सुगम होगी, आईडी कार्ड उनकी पहचान को सशक्त बनाएंगे तथा छाता व बैंत उनकी ड्यूटी को और अधिक प्रभावी बनाएंगे। सभी थानों पर नियुक्त ग्राम प्रहरियों को यह सामाग्री वितरित की जा रही है ।

अखण्ड भारत परिषद से उत्तराखण्ड प्रभारी बने धर्मचंद जिंदल

अमरोहा(सब का सपना):- जिले के तहसील हसनपुर निवासी धर्मचन्द जिंदल को अखण्ड भारत परिषद से उनके कार्य शैली को देखते हुए उन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष 1008 जगद्गुरु ब्रह्मानन्द महाराज ने उत्तराखण्ड प्रभारी की जिम्मेदारी सौपी है। जिंदल ने संगठन में बड़ी ईमानदारी से राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रहकर संगठन में अच्छा काम किया।जिंदल ने आगे

भी इसी तरह कार्य करने का निर्णय लिया।औड्ड बताया में सनातन धर्म के लिए सदैव कार्य करता रहूंगा।इस अवसर पर मोहित रावत फाउंडेशन संस्थान राष्ट्रीय सचिव, सतेन्द्र सिसोदिया , उत्तर प्रदेश अध्यक्ष चंद्र प्रकाश शर्मा,प्रदेश सचिव महेश यादव , प्रदेश प्रवक्ता रिंकू, प्रधान, टिंकू राघवन, पप्पू सेन,संजय सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला कृषि अधिकारी ने 8 उर्वरक केंद्रों पर की छापेमारी

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में 19 सितंबर को हसनपुर, उझारी, सैद नंगली और सम्भल जिले की सीमाओं के क्षेत्र में जिला कृषि अधिकारी द्वारा आकस्मिक छापेमारी/निरीक्षण किए गए,निरीक्षण के दौरान 8 विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया गया, दो को अभिलेख पूर्ण न होने पर नोटिस जारी किए गए है तथा २ नमूने गुणवत्ता परीक्षण हेतु ग्रहित किए गए, परिणाम प्राप्त होने पर

नियमानुसार सख्त कार्यवाही की जाएगी,सभी को निर्देश दिए गए है कि जोत के आकार और फसल की संस्तुति के आधार पर ही उर्वरकों का वितरण किया जाए और बीज तथा कीटनाशी रसायनों का विक्रय भी नियमानुसार किया जाए, अनियमितता सामने आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी यदि जनपद में उर्वरक की कालाबाजारी या अन्य जनपदों में डाइवर्जन की स्थिति पाई गई तो कार्यवाही की जाएगी

एससी एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में एससी एसटी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन की एक अति आवश्यक बैठक कि गई जिसमे प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर दिनाँक 22/09/25 को जो ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से समस्त उत्तर प्रदेश के जनपदो मे प्रधानमन्त्री भारत सरकार एवं शिक्षा मन्त्री भारत सरकार को ज्ञापन दिया जाएगा जिसमे सेवारत शिक्षको पर टीईटी के अनिवार्यता के विरोध में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो एक सितम्बर 2025 को निर्णय दिया गया उसके सम्बन्ध मे रणनीति तय की गई जिस से कि

अधिक से अधिक संख्या मे शिक्षक उपस्थित हो सके इस सम्बन्ध मे जगबीर सिंह महामन्त्री ने कहा कि अधिक से अधिक शिक्षको को लाने के लिए प्रेरित किया जाएगा सभी को व्यक्गित फोन एवं मैसेज के द्वारा अवगत कराया जाएगा जिला अधयक्ष करतार सिंह ने कहाँ कि एससी एसटी शिक्षक संघ के धरने हमेशा ऐतिहासिक रहे है इस धरने को भी ऐतिहासिक बनाने के लिए हर सम्भव प्रयास किया जाएगा अधिक से अधिक शिक्षको से सम्पर्क कर उन्हे ज्ञापन मे आने के लिए अनुरोध किया जाएगा इस अवसर पर जयवीर सिंह हरिराम सिंह विनोद कुमार गौतम कावेन्द्र सिंह बोबी कुमार बलवान सिंह निर्देश कुमार सुनील कुमार सुभाष चन्दा शिव कुमार ओम प्रकाश त्रिपाठी नरेन्द्र सिंह हरिशंकर सिंह पंकज आर्य लोकेश आर्य उदयभान सिंह करतार सिंह सत्यपाल सिंह खेम सिंह आदेश कुमार आदि शिक्षक उपस्थित रहे

रामलीला-दशहरा-दुर्गा पूजा: अमरोहा में व्यापक इंतजाम, डीएम ने की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी पर्व शारदीय नवरात्र, महाराजा अग्रसेन जयंती, रामलीला एवं दशहरा पर्व को सकुशल शांतिपूर्ण संपन्न कराने एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के सबंध में आयोजकों के साथ बैठक आहुत की गई। डीएम-एसपी द्वारा संयुक्त रूप से थानावार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि त्यौहार सामाजिक समरसता एवं सौहार्द के प्रतीक हैं, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें ताकि श्रद्धालुओं और नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि शोभायात्रा के लिए केवल परम्परागत एवं निर्धारित मार्ग का ही प्रयोग किया जाए, कोई नई परंपरा न डाली जाए। दशहरा स्थल, मेला एवं शोभा यात्रा मार्गो को गढ्ढामुक्त कराने के निर्देश दिए। धार्मिक स्थलों, मेला स्थल, पूजा पण्डालों की एवं उनके आस-पास के स्थित स्थानों पर समुचित साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश, जलापूर्ति आदि की समुचित व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। देर रात्रि तक शोभा यात्रा, रामलीला मंचन और मेला आदि के आयोजन होने के दृष्टिगत विद्युत की निर्बाध आपूर्ति, ढीले तारों को कसा जाना आदि की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। भीड़भाड़ वाले स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा हेतु पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए। रावण दहन स्थलों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखे जाने के निर्देश दिए। विसर्जन हेतु रूटों का स्थलीय निरीक्षण कर, रूटों की साफ-सफाई, प्रकाश, सुरक्षा व्यवस्था एवं गढढा मुक्त कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने आयोजकों से शोभायात्रा में डी० जे० पर ध्वनि प्रसारक यत्रों का प्रयोग मानक के अनुरूप करने की बात कही। त्यौहारों के अवसर पर मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वालों के विरूद्ध अभियान चलाकर पूर्ण रोक लगायी जाए। एसपी अमित कुमार आनंद ने कहा कि शोभायात्रा के लिए निर्धारित मार्ग का ही प्रयोग किया जाए। आयोजन स्थलों को सीसीटीवी से लैस करने पर बल देते हुए कहा कि विद्युत सुरक्षा की जांच कर ली जय और फायर सेफ्टी ऑडिट करा लिया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सहयोग के लिए तत्पर है। सभी आयोजकों से कहा कि समय से परमिशन लें ले। कहा कि पूर्व में शांतिपूर्वक संपन्न अन्य पर्व की तरह ही इन पर्व को भी सकुशल संपन्न कराएं। उन्होंने सभी आयोजकों से कहा कि सहयोग के लिए वॉलेंटियर्स की ड्यूटी भी अवश्य लगा दें। उन्होंने कहा कि डीजे पर बजने वाले गाने भी ऐसे न हो की किसी अन्य की भावनाएं आहत हो। उन्होंने सभी थाना अध्यक्षों से अपने-अपने क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पहले से ही संबंधित क्षेत्रों का पैदल भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लेकर समय रहते कमियों को पूर्ण कर लिया जाए। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि पर्व उल्लास और भाईचारे के साथ मनाए जाते हैं, अतः सभी इनको गरिमा बनाए रखें और आपसे में मिलकर त्यौहार मनाएं और खुशियां बांटें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, एएसपी अखिलेश भदौरिया, समस्त उपजिलाधिकारी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष के साथ विभागीय अधिकारी एवं क्षेत्रीय आयोजकगण भी उपस्थित रहे।

सीडीओ ने ग्राम पंचायत चौधरपुर का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने विकासखंड जोया क्षेत्र की ग्राम पंचायत चौधरपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। सीडीओ ने बताया कि ग्राम पंचायत चौधरपुर में स्वयं की आय बढ़ाने के लिए एक पार्क और तालाब को विकसित किया जा रहा है। भविष्य में इस पार्क और तालाब को सेल्फी प्वाइंट सहित

अन्य आकर्षक सुविधाओं के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिल सकें और ग्राम पंचायत की आय में वृद्धि हो। निरीक्षण के समय जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया, ब्लॉक विकास अधिकारी (बीडीओ) और ग्राम पंचायत सचिव भी मौजूद रहे। इस पहल से ग्राम पंचायत के विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

भूकम्प व अग्निकाण्ड से बचाव हेतु राज्य/जिला आपदा प्रबंधन द्वारा मॉक ड्रिल का प्रदर्शन

अमरोहा (सब का सपना):- ज़िले अमरोहा की समस्त तहसीलों में भूकंप एवं अग्नि सुरक्षा से संबंधित मूक अभ्यास (ड्रिल) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य आपदा की स्थिति में प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा करना, राहत एवं बचाव कार्यों की दक्षता को परखना तथा नागरिकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता का संचार करना था। इस आयोजन में राजस्व विभाग, पुलिस, अग्निशमन सेवा, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, नगर निकाय, लोक निर्माण विभाग, आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सहित अन्य संबंधित विभागों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। अभ्यास के दौरान विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों का अनुकरण कर यह आकलन किया गया कि किस प्रकार त्वरित, समन्वित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया दी जा सकती है। कार्यक्रम के अंतर्गत नागरिकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुँचाने, प्राथमिक उपचार प्रदान करने तथा अग्नि नियंत्रण की प्रक्रियाओं का अभ्यास कराया गया। तहसील स्तर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सुरक्षा मानकों की विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे उनकी आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता में वृद्धि हो सके। यह मूक अभ्यास जनपद हापुड़ की आपदा प्रबंधन प्रणाली को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ है। ऐसे आयोजन न केवल प्रशासनिक तंत्र की तत्परता को बढ़ाते हैं, बल्कि आमजन में भी सुरक्षा के प्रति सजगता एवं जागरूकता उत्पन्न करते हैं। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के कुशल निर्देशन में सभी संबंधित विभागों को पूर्व से सतर्क रहने एवं समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश प्रदान किए गए। मुख्य अग्निशमन अधिकारी एवं स्वास्थ्य व राजस्व के अधिकारियों द्वारा विभिन्न स्थलों पर डेमो प्रस्तुत किए गए, जिनमें आग लगने की स्थिति में फायर एक्सटिंग्यिूशर के प्रयोग, सुरक्षित निकासी की प्रक्रिया तथा चिकित्सकों द्वारा प्राथमिक चिकित्सा का प्रदर्शन किया गया। यह आयोजन जनपद अमरोहा. के नागरिकों एवं प्रशासनिक इकाइयों के लिए एक प्रेरणास्पद एवं शिक्षाप्रद अनुभव रहा, जो भविष्य में किसी भी आपदा से निपटने हेतु मार्गदर्शक सिद्ध होगा। तहसील-धनौरा जनपद अमरोहा. में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं अन्य विभागों के संयुक्त तत्वावधान में आज तहसील-धनौरा के गांधी इण्टर कालेज परिसर में आग व भूकंप आपदा से संबंधित मॉक ड्रिल एवं सुरक्षा प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य कालेज एवं विद्यालय स्तर

पर विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं स्टाफ को आपदा की स्थिति में त्वरित, सुरक्षित एवं समन्वित प्रतिक्रिया हेतु प्रशिक्षित करना था। मॉक ड्रिल के दौरान भूकंप जैसी आपदा की स्थिति का वास्तविक अनुकरण किया गया, जिसमें विद्यार्थियों को ड्रॉप, कवर एंड होल्डड्ढ की प्रक्रिया का अभ्यास कराया गया। निर्धारित संकेत प्राप्त होते ही सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने सुरक्षित निकासी मार्गों का पालन करते हुए खुले स्थान पर एकत्रित होकर आपदा प्रतिक्रिया प्रक्रिया का सफलतापूर्वक अभ्यास किया। खुले मैदान में प्राथमिक उपचार, अग्निशमन यंत्रों के प्रयोग, सुरक्षित निकासी तथा आपदा के समय क्या करें और क्या न करें जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तारपूर्वक प्रदर्शन किया गया। तहसील-हसनपुर व नौगांवा तहसील-हसनपुर के उमंग डेयरी गजरौला परिसर में अग्निकांड आपदा से संबंधित मॉक ड्रिल एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान अस्पताल स्टाफ, चिकित्सा कर्मियों एवं सुरक्षा दल को आग लगने की स्थिति में त्वरित, सुरक्षित एवं समन्वित प्रतिक्रिया हेतु प्रशिक्षित करना था। मॉक ड्रिल के दौरान अग्निकांड जैसी आपदा का वास्तविक अनुकरण किया गया, जिसमें अस्पताल के विभिन्न वार्डों से मरीजों को सुरक्षित निकासी मार्गों के माध्यम से खुले स्थान पर पहुँचाया गया। इस दौरान एक घायल व्यक्ति को फायर मैन लिफ्ट मैथड का प्रयोग कर अग्नि क्षेत्र से बाहर निकाला गया तथा अग्निशमन यंत्रों के प्रयोग, प्राथमिक उपचार की व्यवस्था, और आग लगने की स्थिति में क्या करें और क्या न करें जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तारपूर्वक प्रदर्शन किया गया।

तहसील-अमरोहा अचानक से अस्पताल में लगी आग

तहसील-अमरोहा के जीवन ज्योति अस्पताल के परिसर में अचानक आग लगने की सूचना आपदा कन्टाज्ेल रूम को प्राप्त हुई, जिसके बाद सूचना मिलते ही जनपद की आई0आर0एस0 एक्टिवेट करते हुए अग्रिम कार्यवाही की गयी। आग दुर्घटना से संबंधित मॉक ड्रिल का प्रदर्शन किया गया। यह अभ्यास विशेष रूप से उस परिकल्पना पर आधारित था जिसमें अग्निशमन विभाग द्वारा कार्यवाही करते हुए अपने विभिन्न संसाधनों सहित अस्पताल में पहुंचकर ऊपर फंसे हुए लोगों को निकाला गया, जिसमें एक व्यक्ति को तत्काल स्वचास्थ्य विभाग द्वारा प्राथमिक उपचार देते हुए जिला अस्पताल को रेफर किया गया एवं अन्य दो व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार देकर सुरक्षित किया गया। आपदा प्रतिक्रिया दल सक्रिय हुआ। तत्काल प्रभावित क्षेत्र को सील किया गया, कर्मचारियों एवं आसपास के लोगों को सुरक्षित दूरी पर पहुँचाया गया तथा आग पर नियंत्रण की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। इस दौरान हेतु अन्य आवश्यक संसाधनों का प्रयोग कर प्रदर्शनी भी लगार्द गयी। आपदा प्रतिक्रिया को व्यवस्थित रूप से संचालित करने हेतु स्थल पर इंसीडेंट कमांड पोस्ट की स्थापना की गई, जहाँ से समस्त गतिविधियों का समन्वय किया गया। साथ ही, आवश्यक संसाधनों एवं टीमों की तैनाती हेतु स्टेजिंग एरिया निर्धारित किया गया, जिससे त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित की जा सके। चिकित्सा सहायता के लिए एक मेडिकल पोस्ट भी स्थापित किया गया, जिसमें प्राथमिक उपचार की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

जनपद-अमरोहा

रिक्टर पैमाने पर दर्ज हुए 4.03 की तीव्रता के भूकम्प के झटकों से अमरोहा और नौगांवा स्थित बिल्डिंग व अस्पताल में अचानक से लोगों के बीच अफरा तफरी मच गयी बिल्डिंग में कार्य कर रहे लोगों ने जान बचाई और भागना शुरू कर दिया। इस दौराना मॉकड्रिल होने की खबर सुनकर लोगों के जान में जान आई। इस अभ्यास का उद्देश्य बहुमंजिला व्यावसायिक भवनों/ अस्पताल /स्कूल आदि स्थानों पर भूकम्प के दौरान दुर्घटना एवं आग लगने की स्थिति में त्वरित, सुरक्षित एवं समन्वित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करना था। अभ्यास के दौरान निर्धारित समय पर फायर अलार्म बजाकर आपातकालीन स्थिति का संकेत दिया गया, जिसके पश्चात भवन के सभी फ्लोर से कर्मचारियों एवं आगंतुकों को सुरक्षित निकासी मार्गों से बाहर निकाला गया। समस्त उप जिलाधिकारी द्वारा राहत बचाव हेतु सभी आईआरीटी टीम से समन्वय स्थापित कर लोगों को भवन से सुरक्षित निकाला गया। आपातकालीन चिकित्सा सहायता हेतु 20-बेड वाला फील्ड अस्पताल स्थापित किया गया, जिसमें प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों द्वारा प्राथमिक उपचार सेवाएं प्रदान की गईं। गंभीर स्थिति में त्वरित चिकित्सा हस्तक्षेप हेतु एम्बुलेंस सेवाएं भी मौके पर उपलब्ध रहीं, जिससे किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल सहायता सुनिश्चित की जा सके।

मॉक ड्रिल के दौरान सभी विभागों के बीच त्वरित समन्वय और सूचना आदान-प्रदान सुनिश्चित करने हेतु वायरलेस संचार प्रणाली का भी प्रयोग किया गया। यह प्रणाली क्म्ब्;क्पेजतपबज म्उमतहमदबल व्चमतंजपवद ब्मदजतमद्ध पर तैनात आपदा प्रबंधन विभाग अमरोहा की टीमों, चिकित्सा इकाई, पुलिस, अग्निशमन सेवा, राजस्व, आपदा मित्र, एन0सी0ी0 व स्काउट गाइड एवं अन्य संबंधित विभागों के बीच निर्बाध संचार बनाए रखने में अत्यंत सहायक सिद्ध हुई। उक्त कार्यक्रम में जनपद के जिला आपदा विशेषज्ञ, पवन कुमार शुक्ला द्वारा समस्त कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार कर जनपद, तहसील एवं ब्लॉक स्तरीय विभागों के साथ आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सभी विभागों के सहयोग से कार्यक्रम को अच्छे तरीके से संपन्न कराया, जिसमें स्कूल, बिल्डिंग, अस्पताल एवं औद्योगिक इकाइयों के समस्त अधिकारीयों व आम जनमानस को जागरूक किया गया। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आयोजित कार्यक्रम को सफल बनाने में जिला प्रशासन एवं सभी विभागों का द्वारा सहयोग कर कार्यक्रम को सफल बनाने का प्रयास किया गया।

जिले के बेसिक परिषदीय स्कूलों में बच्चों को स्वच्छता के लिए किया जागरूक

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिले में 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर स्वच्छ भारत दिवस मनाया जाएगा। इस अवसर पर स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के तहत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत स्वैच्छिक और सामूहिक भागीदारी को बढ़ावा देते हुए स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाई जा रही है। इस वर्ष की थीम "स्वच्छता ही सेवा" पर आधारित है। शुक्रवार को जिले के सभी परिषदीय विद्यालयों में स्वच्छ भारत दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। उन्हें हाथ धोने की उचित विधि सहित स्वच्छता से संबंधित विभिन्न जानकारियां दी गईं। विद्यालयों में बच्चों ने स्वच्छता से जुड़े कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वच्छ भारत अभियान के तहत यह पहल न केवल स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक है, बल्कि सामुदायिक स्तर पर स्वच्छ और स्वस्थ भारत के निर्माण में भी योगदान दे रही है। इस पखवाड़े के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

ग्राहक का गिरवी सोना बेचने पर बैंक शाखा प्रबंधक और चेयरमैन के खिलाफ जमानतीय वारंट जारी

बहजोई/संभल(सब का सपना):- भारतीय स्टेट बैंक की संभल शाखा के प्रबंधक और बैंक के चेयरमैन के खिलाफ जिला उपभोक्ता आयोग ने जमानतीय वारंट जारी किया है। यह कार्रवाई एक ग्राहक, नबी हसन, के गिरवी रखे सोने को अनुबंध समाप्त होने से पहले ही बेचने और आयोग के आदेशों की अवहेलना करने के मामले में की गई है। नबी हसन ने अपने व्यापार के लिए संभल की इक शाखा में 49.800 ग्राम सोना गिरवी रखकर ऋण लिया था। अनुबंध की अवधि समाप्त होने से पहले ही बैंक ने उनका सोना बेचकर ऋण खाता बंद कर दिया। जब नबी हसन को अपने सोने के आभूषणों की जरूरत पड़ी और उन्होंने बैंक से सोना मांगा, तो शाखा प्रबंधक ने उन्हें सूचित किया कि उनका सोना बेच दिया गया है। इस पर नबी हसन ने उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय से संपर्क किया और जिला उपभोक्ता आयोग में परिवाद दायर किया। आयोग ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद बैंक शाखा प्रबंधक को आदेश दिया कि वह नबी हसन को उनके 49.800 ग्राम सोने का बाजार मूल्य (78,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के हिसाब से 3,88,938 रुपये) 9% वार्षिक ब्याज सहित दो महीने के भीतर अदा करे। इसमें से नबी हसन द्वारा पहले जमा की गई राशि समायोजित करने और शेष राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया। इसके अतिरिक्त, बैंक को 25,000 रुपये मानसिक कष्ट और आर्थिक हानि के लिए तथा 5,000 रुपये वाद व्यय के लिए देने का आदेश दिया गया। आदेश का पालन न करने पर ब्याज की दर 12% वार्षिक होगी। हालांकि, बैंक ने आयोग के आदेश का पालन नहीं किया। अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय ने आयोग को इसकी सूचना दी, जिसके बाद बैंक को दोबारा तलब किया गया। संतोषजनक जवाब न मिलने पर आयोग ने भारतीय स्टेट बैंक, संभल के शाखा प्रबंधक और बैंक के चेयरमैन के खिलाफ जमानतीय वारंट जारी किए।

बिना डिग्री के 'डॉक्टर' मरीजों की जान जोखिम में डाल रहे, प्रशासन की कार्रवाई के बावजूद हौसले बुलंद

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में अवैध अस्पतालों के खिलाफ चल रही सख्ती के बावजूद झोलाछाप डॉक्टरों का धंधा थमने का नाम नहीं ले रहा। बहजोई विकासखंड के हसनपुर खुर्द गांव में दो मंजिला इमारत में 10 बेड का अनाधिकृत अस्पताल खुलेआम संचालित हो रहा है, जहां बिना किसी योग्य डिग्री वाले लोग मरीजों का इलाज कर रहे हैं। बैड पर लेटे मरीजों को ड्रिप चढ़ाई जा रही है, लेकिन न तो अस्पताल का कोई वैध पंजीकरण है और न ही कोई रजिस्टर्ड डॉक्टर मौजूद। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह सब किसी बड़े संरक्षण के इशारे पर हो रहा है। दो दिन पहले ही स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने जनपद के विभिन्न स्थानों पर 30 से अधिक अवैध अस्पतालों पर छापेमारी की थी, जिसमें 19 पर

कार्रवाई हुई और चार अभियुक्तों को जेल भेजा गया। फिर भी, हसनपुर खुर्द जैसे गांवों में ये फर्जी क्लीनिक मरीजों की जिंदगियों से खिलवाड़ कर रहे हैं। इस अस्पताल का संचालन डॉक्टर दिनेश यादव नामक व्यक्ति कर रहे हैं, जिन्होंने फर्जी रजिस्ट्रेशन के सहारे मोटी कमाई का जरिया बना रखा है। जब स्थानीय पत्रकारों ने वहां कार्यरत कंपाउंडर से पूछताछ की, तो उसने दावा किया कि अस्पताल विष्णु उपाध्याय (बीएएमएस) के नाम पर पंजीकृत है। लेकिन पूछने पर पता चला कि डॉक्टर 'बाहर गए' हैं, और इलाज व ड्रिप चढ़ाने का काम खुद कंपाउंडर ही कर रहा था। आश्चर्यजनक रूप से, बाद में खुलासा हुआ कि यह कंपाउंडर ही अस्पताल का असली मालिक था।

प्रशासन का वादा

कोई नहीं बचेगा, बेसमेंट वाले अस्पतालों पर भी शिकंजा अवैध अस्पतालों पर कार्रवाई की कमान मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) तरुण पाठक और एडिशनल एसपी अनुकृति शर्मा के हाथ में है। एडिशनल एसपी शर्मा की अगुवाई में तीन दिनों में 31 फर्जी अस्पतालों का पदार्फाश हुआ, और 19 पर मुकदमा दर्ज कराया गया। जिलाधिकारी राजेंद्र पैंसिया और एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने स्पष्ट किया है कि फजीर्वाड़े से कमाई गई संपत्ति जब्त की जाएगी और गैंगस्टर एक्ट लगेगा।

सीएमओ तरुण पाठक ने कहा

जनपद में कोई भी अस्पताल बिना रजिस्ट्रेशन के नहीं चलेगा। बिना डिग्री वाले डॉक्टरों पर सख्त कार्रवाई होगी। बेसमेंट में चल रहे सभी अस्पतालों पर भी छापा पड़ेगा। कुछ संचालक खुद बंद कर चुके हैं, शेष पर जल्द एक्शन होगा।"

अनुज कुमार चौधरी को स्मृति चिन्ह भेंट कर दी भावपूर्ण विदाई

बहजोई/संभल (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने पुलिस लाइन बहजोई स्थित सभागार में अपर पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी चन्दौसी अनुज कुमार चौधरी के गैर जनपद फिरोजाबाद स्थानांतरण पर एक भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया। समारोह में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई ने अनुज चौधरी को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक संभल अनुकृति शर्मा, समस्त क्षेत्राधिकारीगण, थाना/ शाखा प्रभारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। समारोह में चौधरी के सहकर्मियों ने उनके योगदान की सराहना की और नए स्थान पर सफलता की कामना की। अनुज कुमार चौधरी का नाम हाल ही में संभल में हुई हिंसा की घटनाओं से जुड़कर काफी सुर्खियों में रहा था। संभल में मस्जिद सर्वे के दौरान हुई हिंसा के दौरान उनकी भूमिका ने उन्हें प्रदेश स्तर पर चर्चित बना दिया था। चौधरी ने घटना के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिसकी सराहना विभिन्न स्तरों पर हुई। उनका स्थानांतरण अब फिरोजाबाद में नई जिम्मेदारियों के साथ होगा।

गजरौला में शॉर्ट सर्किट से मोबिल ऑयल की दुकान में लगी आग दुकान स्वामी का लाखों का सामन जलकर राख

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- नगर कोतवाली के बस्ती इलाके में बीती रात शार्ट सर्किट से एक मोबिल ऑयल की दुकान में आग लग गई। आग की लपटे उठती देख आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। दुकान मालिक ने तुरंत फायर ब्रिगेड को आग लगने की सूचना दी। जिसके बाद दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा लिया। पीड़ित दुकान मालिक ने बताया कि इस घटना से लाखों का

नुकसान हुआ है। बता दें कि गजरौला थाना क्षेत्र के कस्बे में बस्ती इलाके में अर्वतिका पार्क के सामने सोनू चौधरी की मोबिल ऑयल की दुकान है। दुकान के पीछे ही उनका मकान है। बीती रात आठ बजे वह दुकान बंद कर घर में चले गए थे। गुरुवार रात लगभग दो बजे दुकान से आग की ऊंची ऊंची लपटे देख उनके होश उड़ गए। आसपास के तमाम लोग भी मौके पर आ गए। जिसके बाद उन्होंने दमकल विभाग को मामले की जानकारी दी। जिसके बाद दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा लिया। पीड़ित ने बताया कि इस आग से दुकान में रखा सभी समान जलकर राख हो गया है। लाखों रुपए का नुकसान है।

मुख्य विकास अधिकारी अध्यक्षता में किया गया ग्राम चौपाल गाँव की समस्या,गाँव में समाधान का आयोजन

असमोली/संभल (सब का सपना):- विकासखंड के पीएम श्री विद्यालय इटायला माफी में जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल गाँव की समस्या,गाँव में समाधान का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट एवं मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष भाजपा हरेन्द्र सिंह रिंकू का खण्ड विकास अधिकारी असमोली/ सम्भल प्रेम पाल सिंह द्वारा पौधा देकर स्वागत किया। ग्राम चौपाल के अन्तर्गत विभिन्न विभागों जैसे स्वास्थ्य विभाग,आईसीडीएस विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग एवं अन्य विभागों द्वारा कैम्प एवं शासन की योजनाओं से संबंधित स्टाल लगाए गये ताकि ग्रामीण लोग शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा भी दिव्यागों के लिए विशेष शिविर लगाया गया। समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं के विषय में बताया गया पेंशन एवं मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के विषय में ग्राम चौपाल में उपस्थित लोगों को विस्तार पूर्वक जानकारी दी उन्होंने बताया कि शासन द्वारा पहले लाभार्थी को 51 हजार रुपये की धनराशि प्रदान की

जाती थी जिसको बढाकर अब मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थी को एक लाख रुपये की धनराशि दी जाती है। उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने पशुओं के बीमा,पशुओं के टीकाकरण, गलघोटू खुरपका, मुंहपका ,थनैला रोग, आदि के विषय में जानकारी दी।सीडीपीओ रचना यादव ने आईसीडीएस विभाग से संबंधित योजनाओं के विषय में बताया।स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक द्वारा विभाग से संबंधित प्रमुख योजनाओं आयुष्मान गोल्डन कार्ड, टीकाकरण, एएनसी जांच आदि के विषय में ग्रामीणों को बताया उन्होंने कहा कि स्वस्थ नारी अपने परिवार को सशक्त करती है। उप कृषि निदेशक द्वारा कृषि विभाग से संबंधित योजनाओं के विषय में जानकारी दी ।कृषि यंत्रीकरण, सोलर पम्प, फैमिली आईडी, फार्मर रजिस्ट्री, तथा एफपीओ के गठन तथा उसके लाभ के विषय में भी बताया। उन्होंने कहा कि जनपद में आवश्यकतानुसार खाद एवं उर्वरक उपलब्ध है। मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम चौपाल के विषय में जानकारी दी एवं विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये कैम्प के विषय में बताया।उन्होंने कहा कि असमोली क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालयों के स्वरूप में बदलाव आया है। शैक्षिणक गुणवत्ता में भी कार्य किया गया है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि अपने परिवार को आगे बढाएं अपने बच्चों की प्राथमिक शिक्षा को मजबूत करें। बच्चों एवं गर्भवती माताओं को अच्छा पोषण दिया जाए। कार्यक्रम में आईसीडीएस विभाग के अन्तर्गत गोद भराई एवं अन्न प्राशन का कार्यक्रम भी किया गया। इसके उपरांत विकास खण्ड असमोली के ग्राम मछारी में द्वितीय सत्र में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल गाँव की समस्या, गाँव में समाधान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि असमोली आकांक्षात्मक ब्लॉक के अन्तर्गत आता है। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि 30 से अधिक आयु के ग्रामीण अपनी हाइपरटेंशन एवं डायबिटीज की जांच कराएं। गर्भवती माताओं का ध्यान रखें उन्होंने अच्छा पोषण दिया जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने आशा डायरी एवं आंगनबाड़ी के रजिस्टर चेक किये। उन्होंने कहा कि सैम बच्चों को पोषण पुनर्वास केन्द्र चंदौसी भेजें। आयुष्मान कार्ड को लेकर भी जानकारी प्राप्त की। श्रम विभाग के अन्तर्गत आने वाली योजनाओं के विषय में भी बताया। आईसीडीएस के अन्तर्गत गोद भराई एवं अन्न प्राशन कार्यक्रम किया गया। इस अवसर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक, कृषि उपनिदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी, जिला सूचना अधिकारी बृजेश कुमार,खण्ड विकास अधिकारी सम्भल एवं असमोली प्रेमचंद सिंह, सीडीपीओ रचना यादव, प्रधानाध्यापक पीएम श्री विद्यालय इटायला माफी कपिल मलिक, ग्राम प्रधान इटायला माफी एवं ग्राम प्रधान मछरी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

थाना हसनपुर पुलिस द्वारा लूट करने की घटना में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

हसनपुर /अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में एवं क्षेत्राधिकारी हसनपुर दीप कुमार पंत के निकट पर्यवेक्षण में थाना हसनपुर पुलिस द्वारा 15 सितंबर को थाना हसनपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 380/2025 धारा 309,317(2) बीएनएस से सम्बन्धित लूट की घटना में वांछित चल रहे अभियुक्त विकल पुत्र सुखवीर निवासी ग्राम मौहम्मदपुर रूस्तमपुर थाना बहादुरगढ जनपद हापुड को मय लूटी हुई मो0सा0 की

आरसी, पर्श, 100 रुपएं नगद सहित गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस के अनुसार पूछताछ पर गिरफ्तार अभियुक्त विकल उपरोक्त द्वारा दिनांक 14 सितंबर की रात्रि करीब 10.00 बजे मनौटा पुल के पास अपने अन्य साथी 1. विशाल पुत्र कलुआ निवासी ग्राम बलवापुर थाना गढ़मुक्तेश्वर जिला हापुड़ 2. रोबिन पुत्र संजय निवासी ग्राम बलवापुर थाना गढ़मुक्तेश्वर जिला हापुड़ 3. राहुल पुत्र कालीचरन निवासी ग्राम बलवापुर थाना गढमुक्तेश्वर जिला हापुड़ के साथ मिलकर एक मो0सा0 सवार व्यक्ति को रोककर उसके 02 मोबाइल फोन और एक पर्श जिसमें एक हजार रुपएं तथा मो0सा0 की आरसी व अन्य कुछ कागजात लूट लिये थे। ज्ञात रहे कि दिनांक 17 सितंबर को थाना हसनपुर पुलिस द्वारा अभियुक्त राहुल पुत्र कालीचरन निवासी ग्राम बलवापुर थाना गढमुक्तेश्वर जिला हापुड़ को मय लूटे हुए मोबाईल फोन सैमसंग रंग काला, 01 तमंचा 12 बोर व 02 जिन्दा कारतूस 12 बोर व 140 रुपएं नगद व घटना में प्रयुक्त 01 मोटर साईकिल स्पेलैण्डर रंग ब्लैक ग्रे नंबर वढ 37 ह 9352 सहित गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चूका है

संभल में 8 अक्टूबर को पहुंचेगी भारत स्वाभिमान क्रांति रथ यात्रा..कामेंद्र चौधरी

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बीएआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के तत्वावधान में ग्राम भड़वाड़ा में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पुन्नी सेठ ने की, जबकि संचालन निर्देश कुमार ने किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष संभल कामेन्द्र चौधरी ने संगठन द्वारा आयोजित होने वाली भारत स्वाभिमान क्रांति रथ यात्रा की जानकारी दी। कामेन्द्र चौधरी ने बताया कि यह रथ यात्रा अक्टूबर माह में शुरू होगी, जिसका शुभारंभ दिल्ली के जंतर-मंतर से होगा और समापन लखनऊ में होगा। यह यात्रा 8 अक्टूबर (बुधवार) को जनपद संभल पहुंचेगी। यात्रा का स्वागत कुरकावली अड्डा पर सुबह 10 बजे किया जाएगा। उन्होंने सभी कार्यकताओं और किसानों से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एकत्रित होने का आह्वान किया।

साथ ही, संगठन द्वारा 22 सितंबर 2025 (सोमवार) को मुख्य बिजली घर, संभल में एक किसान पंचायत का आयोजन किया जाएगा। इस पंचायत का उद्देश्य भ्रष्टाचार को समाप्त करना, पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिलाना और किसानों की विभिन्न समस्याओं का समाधान करना है। कामेन्द्र चौधरी ने किसानों से अपनी समस्याओं के संबंध में प्रार्थना पत्र लिखकर लाने का अनुरोध किया। बैठक में संगठन विस्तार के तहत भूदेव सिंह सैनी को युवा तहसील सचिव (संभल), मौहर सिंह को ब्लॉक मंत्री (संभल), धर्म सिंह को ग्राम अध्यक्ष, युद्धवीर सिंह को ग्राम महासचिव और सर्वेश कुमार को ग्राम संगठन मंत्री नियुक्त किया गया। बैठक में जिला संरक्षक शिवनारायण सैनी, युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार, तहसील अध्यक्ष मेहंदी हसन, युवा तहसील महासचिव राजीव कुमार, युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष सुफियान पाशा, तहसील प्रभारी चौ. ऋषिपाल सिंह, वरिष्ठ कार्यकर्ता दाऊद, मो. हसन, सेवक सैनी, पुन्नी सिंह, गंगाराम सैनी, विजेंद्र सिंह, अशोक सैनी, मनदीप सैनी, ओमकार सैनी, नरेश सैनी, गौरव सागर सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वच्छता सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में चलाया जा रहा स्वच्छता जागरूकता अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक स्वच्छता सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य जिले में स्वच्छता और स्वस्थ पर्यावरण को बढ़ावा देना है। स्वच्छता पखवाड़े का शुभारंभ तिगरी गंगा घाट पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने साफ-सफाई कार्यों में हिस्सा लेकर किया। इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी पारुल सिसोदिया ने बताया कि इस पखवाड़े के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा। 21 सितंबर को पितृ अमावस के दिन जिले में वृहद सफाई अभियान चलाया जाएगा। इस दिन जिले के सभी क्षेत्रों में विशेष सफाई कार्य किए जाएंगे। इसके अलावा, मोटरसाइकिल रैलियों के माध्यम से लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया जा रहा है। ये रैलियां जनता में जागरूकता फैलाने और स्वच्छता के महत्व को रेखांकित करने का एक प्रभावी माध्यम हैं। पखवाड़े के दौरान जिले के सार्वजनिक स्थानों जैसे पार्क, बाजार, सामुदायिक केंद्रों, और अन्य स्थानों पर साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पारुल सिसोदिया ने ग्रामीण वासियों से अपील की है कि वे अपने घरों, गलियों, और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखें। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी प्रयासों से ही नहीं, बल्कि जनसहभागिता से ही संभव है। इस अभियान के तहत लोगों को स्वच्छता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझाने और पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जा रहा है। स्वच्छता सेवा पखवाड़ा जिले को स्वच्छता के मामले में एक मिसाल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस दौरान विभिन्न स्कूलों, सामुदायिक संगठनों, और स्वयंसेवी समूहों को भी शामिल किया जा रहा है, ताकि स्वच्छता का संदेश हर व्यक्ति तक पहुंचे। यह अभियान न केवल स्वच्छता को बढ़ावा देगा, बल्कि जिले के लोगों में एकता और सामुदायिक भावना को भी मजबूत करेगा। जिलाधिकारी ने सभी नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की है, ताकि अमरोहा जिला स्वच्छता के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित कर सके। यह पखवाड़ा 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के दिन समाप्त होगा, जब स्वच्छता के प्रति जागरूकता का एक और बड़ा आयोजन किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी ने रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण केंद्र का किया निरीक्षण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व क्षेत्राधिकारी आलोक भाटी ने शुक्रवार को बहजोई स्थित आरटीसी सेंटर, ईश्वर दास टेक्निकल इंस्टीट्यूट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र में रिक्रूट आरक्षियों के लिए उपलब्ध व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के तहत मैस, बैरक, कक्षाएं, स्नानागार, शौचालय आदि सुविधाओं की जांच की गई। निरीक्षण के पश्चात, पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी ने रिक्रूट आरक्षियों के साथ सैनिक सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में प्रत्येक आरक्षी से उनकी ट्रेनिंग प्रक्रिया और समस्याओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली गई। आरक्षियों को प्रशिक्षण के दौरान मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निर्देश दिए गए। इस अवसर पर प्रभारी आरटीसी सहित अन्य पुलिस अधिकारीगण भी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक ने प्रशिक्षण केंद्र की व्यवस्थाओं को और बेहतर करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि रिक्रूट आरक्षियों को बेहतर प्रशिक्षण व सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। यह निरीक्षण और सैनिक सम्मेलन रिक्रूट आरक्षियों के प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बढ़ाने और उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद की हुई बैठक

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार को नगर में राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं आरटीआई परिषद की एक समीक्षा बैठक संगठन के जिला अध्यक्ष नीरज शर्मा के प्रतिष्ठान पर आयोजित की गई, जिसमें सर्वप्रथम संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार शर्मा को सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष पद पर चुने जाने को लेकर सभी कार्यकताओं ने फूलमाला पहनकर उनका जोरदार स्वागत किया गया। वही कर्बला तालाब में दूषित पानी के निदान के लिए एसडीएम हसनपुर से वार्ता करने तथा ज्ञापन देने पर विचार विमर्श हुआ, साथ ही विद्युत विभाग द्वारा स्मार्ट मीटर को अनिवार्य नहीं स्वैच्छिक बताया गया। और उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर को लेकर जागरूक किया गया। वही सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संगठन के प्रचार प्रसार के लिए कैंप लगाया जाएगा, तथा सक्रिय और निष्क्रिय सदस्यों की छटनी की जाएगी। इस मौके पर सभी संगठन के कार्यकताओं एवं पदाधिकारी ने अपने-अपने विचार रखें। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव एडवोकेट ने की तथा संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता टेकचंद सिंह राणा एडवोकेट द्वारा किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव, टेकचंद राणा, प्रमोद कुमार शर्मा, अतुल गर्ग, अरुण त्यागी, नीरज शर्मा, संदीप शर्मा, मोहित त्यागी, विजय पारछा, राहुल पारछा,सर्वेश कुमार, राधा अग्रवाल, मनोज गोयल, सरदार हरिश्चंद्र, संजय सिंह, जावेद चौधरी, डॉ अरुण कुमार नागर, सचिन गुप्ता, रीना देवी, अनुपम त्यागी, प्रवीण कुमार, रामेश्वर शरण, गोविंद कौशिक, कुलदीप कुमार, अमित कुमार आदि मौजूद रहे '

पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के नेतृत्व में अभियान, दो वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

जुनाबई/सम्भल (सब का सपना):- कानून व्यवस्था मजबूत करने और अपराधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन में थाना जुनावई पुलिस ने दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। घटना की जानकारी देते हुए थाना जुनावई पुलिस ने बताया कि वादी विजेन्द्र पुत्र भूप सिंह, निवासी ग्राम नंगला डुमायल, थाना जुनावई, जनपद सम्भल ने अपनी तहरीरी शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि अभियुक्तों ने वादी के पुत्र के साथ गाली-गलौज की, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में थाना जुनावई पर सुसंगत धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया था। थाना जुनावई की पुलिस टीम ने बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) में वांछित इन अभियुक्तों को ग्राम नंगला डुमायल से ग्राम सिंघोला पुख्ता की ओर जाने वाले रास्ते पर दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पुष्टि सुनील पुत्र दामोदर व सरवन पुत्र दामोदर निवासी ग्राम नंगला डुमायल, थाना जुनावई, जनपद सम्भल। के रूप में हुई है ।

कुंवरपाल सिंह खड़ंगवंशी ने रामलीला का फीता काटकर किया शुभारम्भ

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- विधानसभा 42 के गाँव खुंगावली मैं हर वर्ष की भांति होने वाली रामलीला का कुंवरपाल सिंह खड़ंगवंशी ने फीता काट कर शुभारंभ किया। लोगो की भीड़ ने इस धार्मिक प्रोग्राम में हजारों की सख्या में हिस्सा लिया। इस अवसर पर केहर सिंह प्रधान ,राजेश सिंह प्रधान, राजेंद्र सिंह, मनोज सिंह, महेंद्र सिंह, ई सतीश राणा, राजपाल सिंह, ललित राणा, राजवीर सिंह, कलुआ सिंह, राजकुमार राणा, कविद्र राणा, शिवम राणा, उदित राणा एवं समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे।

जनपद में चल रहा सेवा पखवाड़ा स्वस्थ नारी सशक्त परिवार के अंतर्गत चल रहे कार्यक्रम

हापुड़ (सब का सपना):- भारत सरकार के कार्यक्रम स्वास्थ्य नारी सशक्त परिवार के अंतर्गत जनपद के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर शिविर लगाकर स्क्रीनिंग अभियान चलाया जा रहा है जिसमें सामान्य रोगी एवं महिलाओं की स्क्रीनिंग करने के बाद यदि उनमें किसी को टी0बी0 के लक्षण मिलते हैं तो उनकी जांच कराई जा रही है भारत सरकार के निदेर्शानुसार अधिक से अधिक नागरिकों को संवेदीकरण करके निश्चय मित्र बनाने का अभियान भी चलाया जा रहा है इसी क्रम में आज स्वास्थ्य शिविर में क्षेत्रीय विधायक धर्मेश तोमर, द्वारा पांच टी0बी0 रोगियों को पोषण पोटली का वितरण किया गया विधायक द्वारा पूर्व में भी टी0बी0 रोगियों को पोषण पोटली का वितरण किया जाता रहा है इस अवसर पर धौलाना क्षेत्र के शिविर के नोडल अधिकारी एवं जिला टी0बी0 अधिकारी डॉ राजेश सिंह, ने बताया की अभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जा रहा है एवं शिविर में आने वाले रोगियों की स्क्रीनिंग की जा रही है जिन भी रोगियों में टी0बी0 के लक्षण मिलते हैं उनकी जांच कराई जा रही है साथ ही आम जनता से अपील की जाती है कि वह निंक्शेमित्र बनकर ऐसे रोगियों का सहयोग करें जो टी0बी0 से ग्रस्त हैं एवं इलाज ले रहे हैं इस अवसर पर धौलाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा अधीक्षक डॉ रोहित मनोहर सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सतीश कुमार, एवं पंकज तोमर, आदि उपस्थित हैं।

श्रीरामलीला सेवा समिति के पदाधिकारियों ने रामलीला मंचन के लिए किया भूमि पूजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार की शाम श्री रामलीला समिति रेलवे स्टेशन गजरौला के पदाधिकारियों द्वारा ध्वज पूजन कर श्री राम की लीला के मंचन के लिए भूमि पूजन किया गया। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की लीला का मंचन 21 सितंबर से शुरू होकर 3 अक्टूबर तक होगा। इस अवसर पर श्रीराम सेवा समिति के अध्यक्ष मनोज गर्ग प्रबंधक पूर्व सांसद प्रतिनिधि कुलवंत सिंह नवीन अग्रवाल कार्यक्रम संयोजक डॉक्टरएल सी गहलोत उपाध्यक्ष प्रदीप चौहान महामंत्री सोनू कश्यप एडवोकेट मनमोहन सिंह सेन मीडिया प्रभारी प्रदीप वर्मा कोषाध्यक्ष बबलू रस्तोगी विपिन वर्मा दीपक गुप्ता कुलदीप कश्यप प्रीतम सिंह चौहान मनी सिंह संजय कुमार पंडित हर तिवारी अंकित कुमार राजू कुमार मनोज कुमार आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने अभियोजन कार्यों एवं कानून व्यवस्था को लेकर की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की उपस्थिति में अभियोजन कार्यों एवं कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के दौरान जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समस्त अभियोजकों को अधिक से अधिक मामलों में सजा कराने, विशेष तौर पर महिलाओं से संबंधित अपराधों व पास्को एक्ट से संबंधित मामलों में शत-प्रतिशत सजा कराये जाने के लिए निर्देशित किया गया। महिलाओं से संबंधित मामलों की गंभीरता के दृष्टिगत जिम्मेदारी पूर्वक अभियोजन करते हुए अधिक से अधिक अभियुक्तों को सजा कराए जाने के लिये निर्देशित किया गया। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की शिकायत पर त्वरित कार्यवाही की जाए। जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि गंभीर धाराओं में वांक्षित अपराधियों को कतई बख्शा न जाए कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, एएसपी अखिलेश भदौरिया, उपजिलाधिकारी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित थानाध्यक्ष उपस्थित रहे।

दिशा पटानी के घर फायरिंग करने वाले दो नाबा लिग दबोचे, पूछताछ कर रही दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली। अभिनेत्री दिशा पटानी के घर फायरिंग करने वाले दो नाबालिगों को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम ने पकड़ लिया है। दोनों बागपत के रहने वाले थे। बता दें कि 11 सितंबर को दोनों ने दिशा पटानी के घर के बाहर एक राउंड फायर किया था और फरार हो गए थे। इसके बाद 12 सितंबर को दो अन्य बदमाशों ने दिशा पटानी के घर के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी, जिनका यूपी पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया था।

बछरायूं में अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को रौंदा, हादसे में बाइक सवार की मौत

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के बछरायूं थाना क्षेत्र में एक बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने बुरी तरह से रौंद दिया, जिससे बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई ,हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। वही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया और कहा कि तहरीर के मिलने पर मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा। बता दें कि पूरा मामला मंडी धनौरा के थाना बछरायूं क्षेत्र का है जहां पर एक बाइक सवार युवक को किसी अज्ञात बहन ने बुरी तरह से रौंद दिया इस हादसे में बाइक सवार युवक की दर्दनाक मौत हो गई, हादसा होते ही मौके पर राहगीरों एवं स्थानीय लोगों की भीड़ का जमावड़ा लग गया, घटना की सूचना पुलिस को दी गई मौके पर पुलिस पहुंचे पुलिस ने मृतक युवक की पहचान अखिलेश कुमार त्यागी निवासी ग्राम कुंडा मीरपुर थाना छजलैट,मुरादाबाद के रूप में की। बताया जा रहा है कि मृतक युवक गजरौला में किराए के मकान में रह रहा था फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है और घटना की सूचना परिजनों को दे दी है वही थाना अध्यक्ष अमित कुमार ने बताया है की तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

सात साल से फरार गैंगरेप का आरोपी गिरफ्तार 2023 में कोर्ट ने किया था भगोड़ा घोषित

नई दिल्ली। नाबालिग का अपहरण कर अपने साथियों के साथ दुष्कर्म करने वाले भगोड़ा घोषित आरोपित को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान तिमारपुर के भरत के रूप में हुई है। मामला दर्ज होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया था, लेकिन जमानत पर छूटने के बाद वह फरार हो गया। उपायुक्त हर्ष इंदौरा के मुताबिक, हेड कांस्टेबल अजय को मिली गुप्त सूचना मिली थी कि सामूहिक दुष्कर्म मामले में भगोड़ा घोषित भरत अपने साथियों से मिलने राजपुरा रोड, ओपीएल गेट के पास आने वाला है। सूचना पर एसीपी राजपाल डबास की देखरेख में और इंस्पेक्टर सतीश मलिक के नेतृत्व में गठित टीम ने उक्त स्थान पर जाल बिछाते हुए आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि 2017 में, उसने अपने साथियों के साथ मिलकर एक नाबालिग लड़की का अपहरण किया, उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया और उसके साथ मारपीट भी की थी। मामला दर्ज होने के बाद, उसे गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन बाद में उसे जमानत मिल गई। उसके बाद वह फरार हो गया और अदालत में पेश नहीं हुआ। वर्ष 2023 में न्यायालय ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया।

यातायात पुलिस द्वारा चलाया गया नो हेलमेट-नो फ्यूल अभियान

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद यातायात पुलिस द्वारा नो हेलमेट-नो फ्यूल अभियान चलाया गया। अभियान के तहत यातायात पुलिस टीम ने शहर के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर जाकर जागरूकता अभियान चलाया और वाहन चालकों को समझाया कि बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं मिलेगा। अभियान के दौरान यातायात नियमों का पालन न करने वाले कई वाहन चालकों के विरुद्ध एम.वी. एक्ट के अंतर्गत चालान की कार्रवाई की गई। साथ ही पुलिस द्वारा पेट्रोल पंप कर्मियों को भी यह निर्देश दिया गया कि वे किसी भी दोपहिया वाहन चालक को बिना हेलमेट पेट्रोल न दें। शहर के प्रमुख चौराहों पर चेकिंग अभियान भी चलाया गया। यातायात नियमों का पालन न करने वाले 215 वाहनों के एमवी एक्ट के अंतर्गत चालान किए गए यातायात पुलिस ने बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की। यातायात प्रभारी ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ चालान करना नहीं है, बल्कि आमजन को यातायात नियमों के महत्व के प्रति जागरूक करना है ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाया जा सके। उन्होंने लोगों से अपील की कि वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग करें, मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें और गति सीमा का पालन करें।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी झूठ बोल रहे हैं, नफरत फैला रहे हैं और नकारात्मकता फैला रहे हैं : विज

चंडीगढ़ : हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने आज फिर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगाते हुए कहा कि "दुनिया सच्चाई के पीछे जाती है और हमारे देश में हमेशा सच्चाई के पीछे जाने के लिए ही कहा गया है और यही संदेश हमारे शास्त्रों में दिया गया और ऋषियों ने भी दिया है। उन्होंने कहा कि झूठ के पीछे जाने के लिए कभी किसी ने नहीं कहा है जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी झूठ फैला रहे हैं, नफरत फैला रहे हैं और नकारात्मकता फैला रहे हैं। विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने देश के जेन-जी को की गई अपील की, वे वोट चोरी के मामले में आगे आए, के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। विज ने कहा कि राहुल गांधी अपनी बात को साधारण शब्दों में भी कह सकते थे लेकिन वह कभी हाइड्रोजन बम कहते हैं कभी एटम बम कहते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने यह पहले राजनेता देखें है जो अपने ही देश में हाइड्रोजन और एटम बम फेंकने की बात कह रहे है। आगामी 1 अक्टूबर से ऑनलाइन गेमिंग नियम लागू होने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में विज ने कहा है कि सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग के संबंध में यह बहुत अच्छा कदम उठाया है क्योंकि ऑनलाइन गेमिंग ने कई घरों को बर्बाद कर दिया हैं और करोड़ों रूपए लोगों के लुट लिए गए हैं और वह धनराशि कहां लग रही है और जो कंपनियां यह धनराशि कमा रही है वह कहां लगा रही हैं? केंद्र सरकार का आभार प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि देश की तरुणाई को संभालने के लिए सरकार ने यह बहुत अच्छा कदम उठाया है।

बच्चा खरीद-फरोख्त गिरोह के सदस्य पति-पत्नी काबू, बच्चे को बेचने ले जा रहे थे दोनों...पंजाब से किडनेप किया गया था बच्चा

सिरसा : सिरसा की सीआईए पुलिस ने बच्चा खरीद-फरोख्त गिरोह में शामिल दंपती को काबू करने में सफलता हासिल है। इस मामले में पंजाब पुलिस बच्चे को किडनेप करने वाले गिरोह के सदस्यों को पहले ही काबू कर चुकी है। सिरसा पुलिस को पंजाब से सूचना मिली थी कि किडनेपरों से बच्चा खरीदकर बिहार की एक दंपती सिरसा की तरफ आई है। सूचना के आधार पर सीआईए पुलिस ने नाकेबंदी की और पंजाब से आने वाले वाहनों की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने फरवाईं गांव के निकट बस में सवार बिहार की एक दंपती को काबू किया। जिनके पास तीन साल का बच्चा भी था। पूछताछ में वे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया और बच्चे को भी बरामद कर लिया। इसके बाद दोनों से सख्ताई से पूछताछ की तो खुलासा हुआ कि वे पंजाब के एक गिरोह को यह बच्चा लाए हैं। दंपती ने बताया कि वे इस बच्चे को आगे बेचने के लिए ले जा रहे थे। सिरसा सीआईए पुलिस ने दंपती को काबू किए जाने की सूचना

पंजाब पुलिस को दी। इसके बाद बच्चे के परिजन सिरसा पहुंचे जिन्हें बच्चा सौंप दिया गया। गिरफ्तार दंपती को पंजाब पुलिस को सौंप दिया गया। इस मामले में आगामी कार्रवाई पंजाब पुलिस द्वारा की जाएगी।

डीएसपी अर्शदीप सिंह ने बताया कि 3 वर्षीय लड़का पंजाब के खन्ना से किडनेप किया गया था। शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बच्चा किडनेप करने वाले गिरोह को काबू कर लिया। गिरोह सदस्यों ने पुलिस को बताया कि था कि उन्होंने 3 वर्षीय बच्चे को एक बिहारी दंपती को बेच दिया है जो बच्चे को लेकर सिरसा की तरफ गए हैं। इस पर सिरसा पुलिस को सूचना दी गई। सिरसा पुलिस ने जांच के दौरान फरवाईं गांव के निकट बस में सवार होकर आए रहे दंपती को काबू किया। इनके कब्जे से 3 वर्षीय मासूम बच्चे को बरामद किया गया। सिरसा सीआईए पुलिस ने बच्चा उसके परिजनों के हवाले कर दिया जबकि गिरफ्तार

देहरादून में बादल फटने से नदी में बहे थे 13 लोग, अब हरियाणा के इस जिले में मिले 2 शव

यमुनानगर : उतराखंड के देहरादून में 16 सितंबर की सुबह बादल फटने से अचानक नदी में पानी आ जाने से बड़ा हादसा हो गया था। जहां टोंस नदी में खनन का काम कर रहे एक ही परिवार के 13 लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित बह गए थे। हादसे का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। अब हादसे के 3 दिन बाद यमुनानगर के हथिनीकुंड बैराज के पास 2 शव फंसे मिले। सूचना मिलते ही पुलिस ने गोताखोरों की मदद से शवों को बाहर निकाला और पहचान के लिए यमुनानगर ट्रॉमा सेंटर की मोर्चरी में रखवाया। शुक्रवार सुबह एक शव की पहचान मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) निवासी राजकुमार के रूप में हुई, जो अपने परिवार के साथ खनन कार्य के लिए देहरादून आया हुआ था।मौके पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली करीब 15 मिनट तक नदी में फंसी रही और अचानक तेज बहाव में बह गई। जिसमें 2 लोग तो किसी तरह बच निकले, लेकिन 13 लोग लापता हो गए। पुलिस का मानना है कि बाकी शव भी हथिनीकुंड बैराज के पास से मिल सकते हैं। फिलहाल दूसरे शव की शिनाख्त की प्रक्रिया जारी है।

चंडीगढ़ ने हरियाणा से इन विषयों पर मांगें शिक्षक, डेपुटेशन के आधार पर रहेगी नियुक्ति

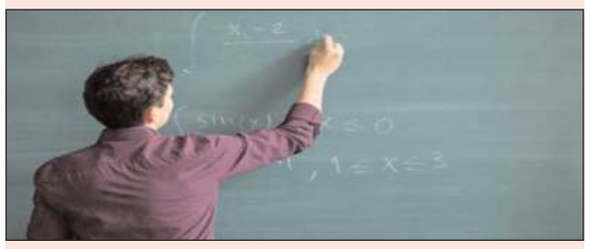

चंडीगढ़ चंडीगढ़ के स्कूल शिक्षा विभाग ने हरियाणा से स्कूल टीचर मांगें हैं। इन सभी शिक्षकों की नियुक्ति डेपुटेशन के आधार पर रहेंगी। इसको लेकर हरियाणा उच्चतर शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी डीईवो और डाइट प्रिंसिपल को पत्र लिखकर सूचित किया है। दरअसल, चंडीगढ़ प्रशासन के अधीन सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी है। इस कमी को पूरा करने के लिए युटी डायरेक्टर स्कूल एजुकेशन ने हरियाणा के प्रिंसिपल सेक्रेटरी को पत्र लिखा और उनसे स्कूल कैडर के शिक्षक पर मांगे हैं। खास कर हरियाणा से पीजीटी इंग्लिश, राजनीति विज्ञान, संस्कृत और लेखाशास्त्र के शिक्षक मांगें हैं। इन सभी शिक्षकों की नियुक्ति डेपुटेशन के आधार पर रहेंगी। हालांकि हरियाणा के सभी जिला शिक्षा अधिकारी और रउएफळ गुरुग्राम के नाम जारी पत्र में यह नहीं बताया गया है कि कितने प्रवक्ता चंडीगढ़ भेजे जाएंगें। बता दें चंडीगढ़ में काफी लंबे समय से स्कूल शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हुई है। इसके कारण वहां स्कूल कैडर के लेक्ररर की कमी चल रही है।15 साल का मांगा रिकॉर्ड

चंडीगढ़ यूटी में डेपुटेशन के लिए इच्छुक प्रवक्ताओं से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन के साथ पिछले 5 वर्षों का सेवा रिकॉर्ड संलग्न करना अनिवार्य है, जिसमें निम्नलिखित विवरण शामिल होंः- नियमित नियुक्ति की तिथि कोई शिकायत या जांच लंबित न होने का प्रमाण पत्र सत्यनिष्ठा प्रमाण पत्र विजिलेंस क्लियरेंस सर्टिफिकेट मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी सहित प्रपत्र (प्रोफार्मा) सभी आवेदक उक्त दस्तावेजों सहित पूर्ण प्रोफार्मा भरकर निर्धारित समय सीमा के अंदर मुख्यालय को भेजें।

गोतस्करों से 7 गायों को कराया मुक्त, ग्रामीणों की इस सूझबूझ से आरोपियों की कोशिश नाकाम

कोसली : रेवाड़ी जिले के पालहवास गांव में बीती रात गोतस्करी की कोशिश को ग्रामीणों की सूझबूझ ने नाकाम कर दिया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने मौके से 7 गायों को मुक्त कराया और वाहन को जब्त किया। वहीं आरोपी तस्कर मौके से फरार हो गए। जानकारी के अनुसार, देर रात कुछ तस्कर एक पिकअप गाड़ी में 7 गायों को अवैध रूप से भरकर ले जा रहे थे। जैसे ही वाहन पालहवास गांव के पास पहुंचा तो अचानक गाड़ी बंद हो गई। इस बीच मौके पर ग्रामीणों की नजर गाड़ी पर पड़ी। ग्रामीणों ने जब पास जाकर देखा तो मामला गोतस्करी

का निकला। ग्रामीणों को समझते देर न लगी और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो इससे पहले ही तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने गाड़ी से सभी 7 गायों को सुरक्षित निकालकर पास के गोशाला में भिजवा दिया। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। फरार तस्करों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस इलाके में आए दिन गोतस्करी की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिस पर पुलिस को और सख्ती बरतने की आवश्यकता है। वहीं पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि गोतस्करी जैसी घटनाओं में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

पुलिस ने बच्चे को रेस्क्यू कर किडनेपिंग की वारदात को सुलझाया, चेकिंग के दौरान रोता हुआ मिला था मासूम

अंबालाः अंबाला जीआरपी ने 11 साल के बच्चे की किडनेपिंग मामले को सुलझाने में कामयाबी हासिल की है। दरअसल घर से किताब लेने निकला 11 साल का बच्चा दोसा राजस्थान से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था।

वो बच्चा अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर जीआरपी को चेकिंग के दौरान रोता हुआ मिला। पुलिस ने बच्चे से पूछताछ की तो उसने बताया कि एक शख्स उसे दोसा से बहला फुसलाकर अंबाला कैंट ले आया है और वो उसे छोड़ फरार हो गया है। पुलिस ने बच्चे के माता पिता से संपर्क किया तो वहीं अंबाला शहर रेलवे स्टेशन से दिल्ली के रहने वाले आशु को गिरफ्तार कर लिया। बच्चे के पिता ने बताया उनका बच्चा 4 दिन से लापता था। जीआरपी ने बच्चे को ढूंढ कर अच्छा काम किया है वो बहुत परेशान थे। फिलहाल जीआरपी ने बच्चे के अपहरण मामले में दिल्ली के आशु को अंबाला शहर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है वे आरोपित को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेंगे और पूरा खुलासा करेंगे।

साईबर फ्रॉड का बड़ा खुलासा, फर्जी सिम और ऑनलाइन धोखाधड़ी के 6 आरोपी गिरफ्तार

नूंह : जिले में साइबर क्राइम पुलिस ने एक बड़े अभियान के तहत फर्जी सिम कार्ड, फर्जी मोबाइल अकाउंट्स और ऑनलाइन फ्रॉड के मामलों में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये गिरफ्तारियां गुप्त सूचना के आधार पर की गई रेड के दौरान हुईं, जहां पुलिस ने फर्जी सिम, मोबाइल फोन और संदिग्ध डिजिटल सबूत बरामद किए। पुलिस का कहना कि ये आरोपी आम लोगों को रैपिडो ऐप, सोशल मीडिया विज्ञापनों और फर्जी मैसेज के जरिए ठग रहे थे। आयुष यादव एएसपी ने बताया कि एक टीम ने कार्रवाई करते हुए अब्बास पुत्र ईसब निवासी रिठट थाना पिनगवां को गिरफ्तार किया। जिससे 6 सिम कार्ड बरामद हुए। आरोपी ने कबूल किया कि वह फर्जी सिम खरीदकर साइबर फ्रॉड करने वालों को सप्लाई करता था। इसी तरह टीम ने इरसाद पुत्र इकबाल निवासी महूं, थाना सदर फिरोजपुर झिरका को 15 सितंबर को नसीरबास-दिल्ली-अलवर रोड पर रेड के दौरान काबू किया, जिससे दो मोबाइल फोन और फर्जी सिम बरामद हुए। फोन में संदिग्ध व्हाट्सऐप चैट, क्यूआर कोड और मनी ट्रांसफर स्क्रीनशॉट मिले। एक सिम पर ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज थी, जहां 4000 रुपये की ठगी हुई।

आरोपी ने फर्जी पहचान छिपाकर रैपिडो बुकिंग के नाम पर फ्रॉड किया। इसके अलावा निसार पुत्र खुर्शीद खान निवासी बिरार, थाना कामा, जिला डीग, राजस्थान को गिरफ्तार किया। इनसे दो फोन बरामद हुए, जिनमें फर्जी सिम और संदिग्ध चैट मिली। आरोपी सोशल मीडिया पर सस्ती गाड़ियां, स्कूटर और मोटरसाइकिल बेचने के फर्जी विज्ञापन डालकर लोगों को ठगता था। एक शिकायत में प्रयागराज के पीड़ित से 16,990 रुपये ठगे गए। वहीं बजाबिर की रैपिडो ठगी व फर्जी मैसेज से रुपए ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया है ।

छछरौली ब्लॉक समिति सदस्य ने चेयरमैन पर लगाए घोटाले के आरोप, मेनका देवी बोलीं- फंड रिलीज

यमुनानगर : हरियाणा सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। भ्रष्टाचार करने पर वालों पर वह कड़ा एक्शन भी लेती है। यमुनानगर जिले के छछरौली ब्लॉक समिति सदस्य मेनका देवी ने ब्लॉक समिति चेयरमैन पर ब्लॉक समिति फंड में भ्रष्टाचार कर करोड़ों रुपये का गबन करने का आरोप लगाया है। उनके आरोप लगाया है कि धरातल पर काम नहीं हुआ है और बिना काम के ही फंड रिलीज कर दिया गया है। फंड में जमकर गोलमाल हुआ है। मेनका देवी ने कहा कि उसने ब्लॉक समिति छछरौली दके सभी ब्लॉक समिति वार्डों में विकास कार्यों के लिए जो फंड खर्च हुए दिखाए गए हैं, असल में अधिकांश कार्य मौके पर हुए ही नहीं है। मेनका देवी ने बताया कि इस

गोलमाल का खुलासा बीडीपीओ छछरौली कार्यालय द्वारा दी गई आरटीआई में हुआ है। उसने बताया कि उसने बीडीपीओ छछरौली के माध्यम से ब्लॉक समिति से सभी वार्डों में कितने विकास कार्य कितनी लागत से कराए गए हैं। किस एजेंसी ने कार्य किए हैं। इन सभी बिंदुओं पर आरटीआई मांगी थी। जब विभाग द्वारा आरटीआई दी गई तो उसमें जो जानकारी मिली है वह हैरान करने वाली थी। दी गई आरटीआई में कई गांवों के स्कूलों में वाटर रिसोर्सेज सिस्टम लगाया दशार्या गया है। जबकि काफी गांव ऐसे हैं जहां दशार्या गया काम मौके पर मौजूद ही नहीं है। ब्लॉक समिति के सदस्य पर लगाए आरोप

छछरौली ब्लॉक समिति के अध्यक्ष राजकुमार ने उल्टा ब्लॉक समिति के सदस्य पर ही आरोप लगाते हुए कहा कि वह सरकारी फंड को अपने खाते में डालना चाहती थी जिसके लिए हमने उसे मना किया। जब उनसे धरातल पर काम को लेकर सवाल पूछा गया तो वह इसका संतोषजनक जवाबी नहीं दें। बीडीपीओ कार्तिक चौहान ने बताया कि इस बाबत हमारे पास डीसी दफ्तर से जांच के आदेश आए थे। छछरौली ब्लॉक समिति के अध्यक्ष, एसडीएम रोहित कुमार, शिकायतकर्ता मेनका देवी के साथ बैठकर मीटिंग की है। उन्होंने जो आरोप लगाए थे कुछ के जवाब दे दिए गए हैं। इस पूरे मसले पर 10 दिन का समय भी लिया गया है।

सबसे बड़ी हैरानी की बात यह है कि जाटोंवाला गांव में श्मशान घाट ही नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह ओर भी काफी गांवों में कार्य दशाएं गए हैं पर मौके पर कुछ भी काम नहीं है। उन्होंने ब्लॉक समिति चेयरमैन छछरौली पर सीधा भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि आरटीआई में दशाएं इन कार्यों की पेमेंट आखिर किस एजेंसी ठेकेदार को की गई है। बिना काम किए ये फंड आखिर क्यों ब्लाक समिति छछरौली के खाते से इन सभी को वितरित किया है यह बड़ा सवाल है।

फरीदाबाद में पेट्रोल पंप पर गुंडागर्दी, पानी पीने गए युवक को कर्मचारियों ने जमकर पीटा

फरीदाबाद : शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत नीलम-बाटा रोड स्थित एचपी पेट्रोल पंप पर गुरुवार रात करीब 9 बजे उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब पानी पीने गए एक युवक को पेट्रोल पंप कर्मचारियों ने बेरहमी से पीट दिया। पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई, जिसमें कर्मचारियों की गुंडागर्दी साफ दिखाई दी। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के रहने वाले 17 वर्षीय निशान जाम अपने साथी के साथ एनआईटी फरीदाबाद आए थे। वह टूल मार्केट में अपना जनरेटर ठीक करवाकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान उन्हें प्यास लगी और वे नीलम-बाटा रोड स्थित एचपी पेट्रोल पंप पर रुके। वहां पानी पीते समय निशान ने अपने पैरों पर भी पानी डाल लिया। इसी बात को लेकर पंप के एक कर्मचारी ने उसे उल्टा-सीधा कहना शुरू कर दिया। मामूली बहस के बाद स्थिति बिगड़ गई और देखते ही देखते पेट्रोल पंप पर मौजूद 5-6 कर्मचारियों ने मिलकर निशान पर ताबड़तोड़ थप्पड़ बरसाने शुरू कर दिए। मौके पर मौजूद उनके साथी शेखर और अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह निशान को बचाया। इस बीच किसी ने घटना का वीडियो भी बना लिया, जिसमें कर्मचारी युवक को लगातार थप्पड़ मारते हुए नजर आ रहे हैं। निशान के साथी शेखर ने बताया कि वे दिल्ली से एनआईटी काम के सिलसिले में आए थे और वापस लौटते वक्त यह घटना हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि निशान नाबालिग है और कर्मचारियों ने बेवजह उसे मारा-पीटा। अगर कोई गलती भी थी तो कर्मचारियों को समझाना चाहिए था, न कि गाली-गलौज और हाथापाई करनी चाहिए थी।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को थाने ले जाकर पूछताछ की। बाद में निशान ने पेट्रोल पंप कर्मचारियों के खिलाफ औपचारिक शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और वीडियो भी सबूत के तौर पर लिया गया है।

50 घंटे में सुलझी बच्ची के अपहरण की गुत्थी, रेलवे पुलिस ने सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

चंडीगढ़ : हरियाणा की रेलवे पुलिस ने एक बार फिर अपनी तत्परता और दक्षता का लोहा मनवाया है। गुड़गांव रेलवे स्टेशन से 4 वर्षीय बच्ची के अपहरण की सनसनीखेज घटना के महज 50 घंटे के भीतर पुलिस ने बच्ची को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिया। यह ऑपरेशन न सिर्फ तेज कार्रवाई का उदाहरण है बल्कि तकनीकी निगरानी और जमीनी प्रयास का बेहतरीन संगम भी है।

रेलवे पुलिस की संवेदनशील कार्रवाईः जीवन रक्षा से जनविश्वास तक इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक हरियाणा श्री शत्रुजीत कपूर ने कहा कि रेलवे पुलिस की यह कार्यवाही केवल कर्तव्य निभाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इंसानियत और जनसेवा का सजीव उदाहरण है। किसी मासूम की मुस्कान लौटाना, बिछड़े बच्चों को उनके माता-पिता से मिलवाना या निराशा की कगार पर खड़े लोगों को नई जिंदगी

का संबल देना - पुलिस को जनता से जोड़ने वाले सबसे मजबूत सूत्र हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे पुलिस की संवेदनशीलता और तत्परता न सिर्फ जीवन बचाने का कार्य किया है, बल्कि यह समाज में सुरक्षा की भावना को गहरा करती है और पुलिस के प्रति विश्वास और भरोसे को और मजबूत बनाती है। यही विश्वास आगे चलकर अपराध नियंत्रण और सामाजिक शांति की सबसे बड़ी ताकत बनता है।

घटनाः मासूम बच्ची का अपहरण16 सितंबर 2025 को गुड़गांव रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति को अज्ञात आरोपी ने नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश कर दिया और मौके का फायदा उठाकर उसकी छोटी बच्ची को अगवा करके ले गया।

पुलिस की त्वरित रणनीति

सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस अधीक्षक, श्रीमती नितिका गहलोत ने मामले को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए तत्काल एक्शन की कमान संभाली। उनके निर्देश पर उप पुलिस अधीक्षक, फरीदाबाद, श्री राजेश कुमार के पर्यवेक्षण में 18 रेडिंग पार्टियों का गठन किया गया। इन टीमों में 3-3 पुलिसकर्मी, साइबर विशेषज्ञ और सीसीटीवी फुटेज का गहन विश्लेषण करने वाले अनुभवी कर्मी शामिल किए गए। तकनीक और मैदान की जुगलबंदी पुलिस ने गुड़गांव से आनंद विहार रेलवे स्टेशन तक के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें सामने आए संदिग्ध के चित्र आरपीएफ और रेलवे पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर प्रसारित किए गए। साथ ही, मामले की गंभीरता को देखते हुए कुछ टीमें राजस्थान (कोटपुतली, अलवर) और उत्तर प्रदेश (बरेली, पीलीभीत) में भेजी गईं।

ऑपरेशन पीलीभीतः सफलता की कहानी

पीलीभीत रेलवे स्टेशन पर जब पुलिस टीम तलाशी कर रही थी तो आरोपी को पुलिस की सक्रियता का आभास हो गया। दबाव में आकर उसने बच्ची को वहीं छोड़ दिया और मौके से भाग निकला। पुलिस ने तुरंत बच्ची को अपनी सुरक्षा में लिया और डॉक्टरों से मेडिकल जांच कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया। बच्ची बिल्कुल सुरक्षित है। गुमशुदा बच्ची को वापिस पाकर परिवार की खुशी का ठिकाना नही रहा और वे बार-बार पुलिसकर्मियों का धन्यवाद करते नजर आए।

स्थानीय सहयोग और मानवीय पहल

इस पूरे अभियान में तकनीकी सर्विलांस टीम की भूमिका निर्णायक रही। साथ ही, गुड़गांव रेलवे स्टेशन के टैक्सी व ऑटो चालकों ने भी पुलिस की सक्रिय मदद की। यह सहयोग पुलिस-जन सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आया। रेलवे पुलिस की हाल ही के समय की उपलब्धियां

केवल पिछले एक महीने में ही जीआरपी हरियाणा ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की हैं। रेलगाड़ियों के माध्यम से अवैध रूप से ले जाए जा रहे 24 मासूम बच्चों को सुरक्षित बचाकर उनके परिजनों तक पहुँचाया गया। इसी अवधि में प्लेटफार्म और ट्रेनों पर बिछड़े 23 बच्चों को ढूंढकर उनके परिवारों से मिलवाया गया। इसके अलावा आत्महत्या की नीयत से रेलवे पटरियों पर पहुँचे 2 पुरुषों और 9 महिलाओं की जान बचाकर उन्हें सुरक्षित उनके घरों तक पहुँचाया गया। रेलवे पुलिस का यह ऑपरेशन दशार्ता है कि यदि संवेदनशीलता, तकनीक और टीमवर्क को सही दिशा में जोड़ा जाए तो कठिन से कठिन चुनौती को भी पार किया जा सकता है। बच्ची का सकुशल घर लौटना न सिर्फ परिजनों के लिए राहत की बात है बल्कि समाज में पुलिस की कार्यकुशलता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का जीवंत उदाहरण भी है।

हरियाणा की महिला एसडीओ ने अपने पति पर लगाए गंभीर आरोप, बोलीं- उसका एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर है

हरियाणा पति-पत्नी के रिश्तों में जब इतनी कड़वाहट आ जाए कि वे एक-दूसरे की शक्ल तक देखना न चाहें, तो मामला महिला आयोग या कोर्ट तक पहुंच जाता है। गुरुवार को फरीदाबाद में सेक्टर-12 लघु सचिवालय के सभागार में हरियाणा राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई हुई, जिसमें कई हैरान कर देने वाले मामले सामने आए। किसी ने अपने पति पर अवैध तरीके से सेक्सुअल मेडिसिन की सप्लाई करने का आरोप लगाया, तो वहीं पति ने पत्नी पर उसकी संपत्ति पर कब्जा करने की कोशिश का आरोप लगाया। आयोग की चेयरमैन रेणु भाटिया ने फरीदाबाद, पलवल, भिवानी, कुरुक्षेत्र सहित कई जिलों की 40 से अधिक शिकायतें सुनीं, जिनमें अधिकतर घरेलू हिंसा के केस थे। हरियाणा सरकार में एक एसडीओ ने अपने पति पर आरोप लगाया कि वह सेक्सुअल मेडिसिन का अवैध कारोबार करता है और खुद को आईटी कर्मी बताता है। साथ ही उसका एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर भी है। महिला ने कहा कि ऐसे में उनके लिए उनके साथ रहना संभव नहीं है और पिछले पांच साल से वह घर का खर्च खुद उठा रही है। वहीं, पति ने पत्नी पर पूर्व प्रेमी से संपर्क बनाए रखने का आरोप लगाया है।

हरमनप्रीत की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली बार एकदिवसीय सीरीज जीतने उतरेगी भारतीय महिला टीम

मुल्लांपुर (एजेंसी)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना की शानदार पारी से दूसरे मैच में रिकॉर्ड जीत हासिल की थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में वह इस माह के अंत में होने वाले विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली एकदिवसीय सीरीज जीतना चाहेगी। भारतीय महिला टीम अभी तक एक बार भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज नहीं जीती है।

पहले मैच में करारी हार के बाद भारतीय महिला टीम ने अच्छी वापसी करते हुए दूसरे मैच में 102 रन से जीत हासिल की थी। ये भारतीय टीम की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे बड़ी जीत थी।

भारतीय टीम ने इस सीरीज में कई कैच भी छोड़े हैं और उसे इस कमजोर को दूर करना होगा। भारतीय टीम को जीत के लिए प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। दूसरे मैच में हालांकि गेंदबाजों ने अच्छा दबाव बनाया जो सकारात्मक संकेत है। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाली तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर और तेज गेंदबाजी ने उनकी जोड़ीदार क्रांति गौड़ ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं स्पिनरों ने भी बीच के ओवरों में रनों पर अंकुश लगाये रखा।

तीसरे तेज गेंदबाज के तौर पर अरुंधति रेड्डी को शामिल करना भी फायदेमंद रहा है। भारतीय टीम के एक बार फिर अलग संयोजन के साथ उतरने की उम्मीद है। कप्तान हरमनप्रीत ने कहा, ''इस सीरीज में हम हर किसी को मौका देना चाहते हैं। हम कुछ नए संयोजन आजमाने सकते हैं।''

बल्लेबाजी में अब तक इस सीरीज भारत का प्रदर्शन दोनों मैच में अच्छा रहा। विशेषकर सलामी बल्लेबाज़ स्मृति मंधाना और प्रतीका रावल ने दोनों मैचों में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई हालांकि मध्यक्रम के बल्लेबाज बड़ी साझेदारी निभाने में विफल रहे हैं। मंधाना ने पिछले मैच में शतक जमाया था और टीम को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। अब हरमनप्रीत, हरलीन देओल और ऋचा घोष जैसी खिलाड़ियों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। वहीं दूसरी ओर मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम वापसी के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। कप्तान एलिसा हीली ने माना है कि दूसरे एकदिवसीय में उनकी टीम खेल के हर विभाग में विफल रही। दूसरे मैच में करारी हार से भी वह उबरना चाहेगी। वह विश्व कप से पहले जीत हासिल कर लय में आना चाहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), उमा छेत्री, हरलीन देयोल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), क्रांति गौड़, स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, स्नेह राणा, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, तेजल हसब्निस, सयाली सतघरे, दीप्ति शर्मा, श्री चरणी, राधा यादव।

ऑस्ट्रेलिया: एलिसा हीली (कप्तान और विकेटकीपर), ताहलिया मैकग्राथ, डार्सी ब्राउन, निकोल फाल्टम, एशले गार्डनर, किम गर्थ, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, चार्ली नॉट, फोबे लिचफील्ड, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शूट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

उम्मीद नहीं थी कि सत्र का अंत ऐसा होगा: विश्व चैंपियनशिप में खिताब का बचाव ना कर पाने पर बोले नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को कहा कि विश्व चैंपियनशिप में आठवें स्थान पर रहना उनके लिए सत्र के अंत की उम्मीद के अनुरूप नहीं था लेकिन वह ब्रेक के बाद दमदार वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पिछली बार के चैंपियन चोपड़ा गुरुवार को तोक्यो में 84.03 मीटर ही भाला फेंक सके और पांचवें दौर के बाद बाहर हो गए। इस दौरान वह पीठ दर्द से परेशान रहे। उन्होंने बाद में खुलासा किया कि पीठ की समस्या इस महीने की शुरुआत से ही उन्हें परेशान कर रही थी, लेकिन वह इसे अपने खराब प्रदर्शन का कारण नहीं बताना चाहते थे।

उन्होंने विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण कर रहे सचिन यादव की सराहना की, जिन्होंने 86.27 मीटर की शानदार थ्रो के साथ उनसे बेहतर प्रदर्शन किया और चौथे स्थान पर रहे। चोपड़ा ने एक्स पर लिखा, 'मैंने तोक्यो में विश्व चैंपियनशिप के साथ सत्र का इस तरह से अंत करने की उम्मीद नहीं की थी। मैं सभी चुनौतियों के बावजूद भारत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था, लेकिन वह मेरा दिन नहीं था।'

उन्होंने कहा, 'मैं सचिन के लिए बहुत खुश हूं, जिन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और वह लगभग पदक जीत ही गए थे।% स्वर्ण पदक त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वाल्कोट (88.16 मीटर) को मिला। उनके बाद ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (87.38 मीटर) और अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन (86.67 मीटर) का स्थान रहा। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 27 वर्षीय चोपड़ा ने अधिक मजबूती हासिल करके दमदार वापसी करने का वादा किया। उन्होंने कहा, 'आप सभी के समर्थन के लिए आभारी हूं। इससे मुझे दमदार वापसी करने की प्रेरणा मिलती है।'

न्यूजीलैंड ने जैमीसन और सियर्स को शामिल किया

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अगले माह की शुरुआत में होने वाली तीन मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए काइल जैमीसन और बेन सियर्स को टीम में शामिल किया है। इससे पहले ये दोनो ही जिम्बाब्वे में त्रिकोणीय सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम में शामिल नहीं थे। जैमीसन निजी कारणों से वहीं सियर्स फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर थे। इस सीरीज में नियमित कप्तान मिशेल सेंटनर की जगह पर माइकल ब्रेसवेल कप्तानी करेंगे। ब्रेसवेल ने कहा, चैपल-हैडली सीरीज गर्मियों की शुरुआत करने का एक अच्छा तरीका है। मैं ये सीरीज देखते हुए बड़ा हुआ हूं और न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली प्रतिद्वंद्विता बेहद रोमांचक रहती है।

उन्होंने साथ ही कहा, 2016 से ये ट्रॉफी हमारे पास नहीं है। अब हम इसे बदलना चाहते हैं। घरेलू धरती पर इसके लिए खेलने का अच्छा अवसर है। यह विश्वास करना कठिन है कि ईडन पार्क में खेले गए पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच को 20 साल हो गए हैं। यह देखना हैरानी की बात है कि यह प्रारूप कितना आगे बढ़ गया है और मुझे पता है कि दोनों टीमें बे ओवल में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार रहेंगी।

न्यूजीलैंड टीम- माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), मार्क चैपमैन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मैट हेनरी, बेवोन जैकब्स, काइल जैमीसन, डेरिल मिशेल, रचिन रवींद्र, टिम रॉबिन्सन, बेन सियर्स, टिम सीफर्ट और ईश सोढ़ी।

द्रविड़ बन सकते हैं इन तीन में से किसी एक टीम के कोच

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तीन-तीन फ्रेंचाइजियां राहुल द्रविड़ को नये सत्र के लिए अपना कोच बनाना चाहती हैं। द्रविड़ पिछले सत्र में राजस्थान रॉयल्स के कोच थे पर उन्होंने सत्र समाप्त होने के बाद पद छोड़ दिया था। तभी से वह नई भूमिका की तलाश में हैं। द्रविड़ के रहते रॉयल्स का सफर आईपीएल 2025 में अच्छा नहीं रहा पर इसके बाद भी उनका प्रभाव कम नहीं हुआ है। द्रविड़ के कोच रहते ही भारतीय टीम ने टी20 विश्वपक जीता था। ऐसे में कई फ्रेंचाइजी उन्हें अपने साथ लाना चाहती है। इसमें कोलकाता नाइटराइडर्स से लेकर लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमें हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स = लखनऊ सुपर जायंट्स भी नये कोच की तलाश में है क्योंकि उसने जस्टिन लैंगर को कोच बनाया था पर वह सफल नहीं रहे। इसके बाद उसने जहीर खान को टीम का मेंटॉर बनाया पर टीम की किस्मत नहीं बदली। ऐसे में अब लखनऊ फ्रेंचाइजी भी द्रविड़ को कोच बना सकती है।

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर): केकेआर के पास अभी कोई मुख्य कोच नहीं है। गौतम गंभीर के कोच पद छोड़ने के बाद टीम ने चंद्रकांत पंडित को जिम्मेदारी दी पर वह साल 2025 में खिताब का बचाव नहीं कर पाये। कईखिलाड़ी भी उनसे नाराज थे इसलिए उन्हें पद से हटा दिया गया। ऐसे में अब कोलकाता की टीम मुख्य कोच की तलाश में है और इसके लिए वह द्रविड़ को शामिल करना चाहती है।

दिल्ली कैपिटल्स : द्रविड़ पहले भी इस टीम के साथ रहे हैं। वह साल 2016 सीजन में उनके मेंटॉर भी रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच हेमंग बदानी ज्यादा अनुभवी नहीं हैं । ऐसे में नये सत्र के लिए कैपिटल्स द्रविड़ को अपने साथ जोड़ सकती है।

श्रीलंकाई स्पिनर पिता की मौत के कारण एशिया कप छोड़कर स्वदेश लौटा

डेब्यू अच्छा नहीं रहा, पांच छक्के लगने के साथ ही पिता के निधन से दुखों का पहाड़ टूटा

दुबई (ईएमएस)। श्रीलंकाई टीम के युवा स्पिनर दुनिथ वेलालागे के लिए एशिया कप का डेब्यू मैच अच्छा नहीं रहा। उनकी गेंदों पर पांच छक्के लगे और इससे भी दुखद ये रहा कि उनके पिता की दिल का दौरा पड़ने के कारण मौत हो गयी। इस मैच में हालांकि श्रीलंकाई टीम ने अफगानिस्तान को आसानी से हरा दिया। अपना पहला ही मैच खेल रहे इस खिलाड़ी को टीम मैनेजर ने पिता के निधन के बारे में बताया। ये 22 साल के इस स्पिनर के लिए दिल टूटने वाली खबर थी। इसके बाद वह तत्काल स्वदेश लौट गये। कप्तान चरिथ असलंका ने उन्हें अंतिम ओवर के लिए बुलाया था। अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी ने इस ओवर का पूरा लाभ उठाया नबी ने पहली तीन गेंदों मे लगातार छक्के लगाये। इसके बाद एक नो बॉल हुई और फिर उन्होंने लगातार दो छक्के लगाये। वेलालागे के ओवर में कुल 32 रन बने। वेलालागे 5 छक्के के कारण निराश थे और ऐसे में पिता की मौत की खबर से वह पूरी तरह से टूट गये।

जुरेल के शतक से भारत ए ने बनाये चार विकेट पर 403 रन

लखनऊ विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल के शतक 113 रनों की सहायता से भारत ए ने यहां ऑस्ट्रेलिया ए के ??खिलाफ जारी अनौपचारिक टेस्ट के तीसरे दिन अपनी पहली पारी में चार विकेट पर 403 रन बनाये। जुरेल ने 132 गेंदों में 10 चौके और 4 छक्के लगाकर 113 रन बनाये। जुरेल के अलावा बल्लेबाज एन जगदीशन ने 64, बी साई सुदर्शन ने 73 और देवदत्त पडिक्कल ने नाबाद 86 रन बनाये। इससे पहले सैम कोंस्टास के 109 रनों और जोश फिलिप के नाबाद 123 रनों की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ए टीम ने अपनी पहली पारी में 6 विकेट पर 532 रन बनाये थे। इस प्रकार भारत ए की टीम अभी भी पहली पारी के आधार पर 129 रनों से पीछे है। आज सुबह भारत ए ने एक विकेट पर 116 रन से आगे खेलने के साथ शुरू किया। जगदीशन और सुदर्शन की जोड़ी अधिक नहीं खेल पायी। जगदीशन, 64 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद मेजबान टीम ने सुदर्शन और पडिक्कल की 76 रनों की साझेदारी से स्कोर आगे बढ़ाया। सुदर्शन के आउट होने के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर उतरे पर वह बड़ी पारी खेलने में असफल रहे। वह 8 रन ही बना पाये।

अगर आपको 20 विकेट लेने हैं तो इस खिलाड़ी को टेस्ट टीम का हिस्सा होना चाहिए : अनिल कुंबले

नई दिल्ली। अनुभवी स्पिनर अनिल कुंबले ने बाएं हाथ के गेंदबाज कुलदीप यादव को टेस्ट टीम में शामिल करने की वकालत की है, जो अपने साथ एक 'एक्स-फैक्टर' लेकर आते हैं जो भारत को 20 विकेट लेने के एक कदम और करीब ले जाता है। कुलदीप इस साल की शुरुआत में भारत के इंग्लैंड दौरे के दौरान पूरी तरह से बाहर रहे। यह उनकी फॉर्म या उनके कौशल की कमी की बात नहीं थी; टीम संयोजन और बल्लेबाजी में गहराई की चाह ने उनके लिए कोई जगह नहीं छोड़ी। कुंबले ने कहा, 'मुझे लगता है कि अगर आपको 20 विकेट लेने हैं तो कुलदीप यादव को टेस्ट मैच क्रिकेट का हिस्सा होना चाहिए। हां, रवींद्र जडेजा, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल हैं। लेकिन मुझे लगता है कि कुलदीप का एक्स-फैक्टर यह है कि उन्हें चुनना आसान नहीं है और हमने यह देखा है।' उन्होंने कहा, 'मैं कुलदीप को प्लेइंग इलेवन में लिस्टेड स्पिनर के तौर पर नंबर एक स्पिनर के रूप में देखना चाहूंगा। और फिर उसके बाद आप जो भी करना चाहें, ऑलराउंडर, तेज गेंदबाज और फिर बाकी खिलाड़ियों को चुनें।'

बुमराह को पाकिस्तान के खिलाफ मैच में आराम देना चाहिए, विश्व कप विजेता की गंभीर को सलाह

स्पोर्ट्स डेस्क। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने अबू धाबी के शेख जायेद स्टेडियम में ओमान के खिलाफ ग्रुप ए के अंतिम मैच से पहले गौतम गंभीर और सूर्यकुमार यादव को एक आसान सी सलाह दी है। 1983 विश्व कप विजेता टीम के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को इस मैच और रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले सुपर 4 मुकाबले से आराम देना चाहते हैं। गावस्कर ने कहा कि ऐसा करने से प्रबंधन को 28 सितंबर को होने वाले एशिया कप फाइनल के लिए इस तेज गेंदबाज को तरोताजा रखने में मदद मिलेगी।

गावस्कर ने कहा कि ओमान के खिलाफ मैच भारत को अपने बल्लेबाजों को परखने का मौका देगा। उन्होंने कहा कि संजू सैमसन, तिलक वर्मा और हार्दिक पांड्या जैसे खिलाड़ियों को क्रीज पर कुछ समय देना चाहिए। बुमराह ने अब तक एशिया कप के दोनों मैच खेले हैं, संयुक्त अरब अमीरात और पाकिस्तान के खिलाफ, जहां उन्होंने 3 विकेट लिए हैं। इस तेज गेंदबाज ने थोड़ी सुस्ती दिखाई है, इसलिए यह तय नहीं है कि प्रबंधन इस पर ध्यान देगा या नहीं।

ज़्यादा नियमित खेल समय बुमराह को जल्द से जल्द अपनी लय वापस पाने में मदद करेगा। इससे पहले, 31 वर्षीय बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ सभी पाँच टेस्ट मैच नहीं खेल पाए थे, हालाँकि उन्होंने तीन टेस्ट मैचों में हिस्सा लिया था, जहाँ उन्होंने दो बार पाँच विकेट लिए थे।

गावस्कर ने कहा, 'मेरा मानना है कि जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जाना चाहिए, शायद पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए भी, ताकि वह रविवार 28 तारीख को होने वाले बड़े मैच के लिए उपलब्ध रहें। भारत को इसी पर ध्यान देना चाहिए। बेशक, एक बेंच खिलाड़ी को भी टीम में शामिल करना होगा, लेकिन बुमराह को आराम देने के लिए उन्हें कल के मैच से बाहर रखा जाना चाहिए।'

गुलबदीन ने भारतीय टीम को एशिया और विश्व की सर्वश्रेष्ठ टीम बताया

दुबई। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर गुलबदीन नायब ने कहा है कि भारतीय टीम एशिया ही नहीं विश्व की सर्वश्रेष्ठ टीम है। गुलबदीन ने भारतीय खिलाड़ियों के स्तर की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनसे काफी कुछ सीखने को मिलता है। गुलबदीन ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भारतीय खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने का उनका अनुभव काफी अच्छा रहा है। इस अफगान क्रिकेटर ने कहा, भारतीय टीम एशिया और दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है, आपको इन खिलाड़ियों से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने कहा, मैंने आईपीएलमें उनके साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया है और उनके खिलाफ खेले गए सभी मैचों में हमें बहुत अच्छा अनुभव मिला है। हम यह नहीं कह सकते कि टी20 क्रिकेट में कोई भी टीम प्रबल दावेदार है, जो टीम अच्छा खेलेगी वही जीतेगी। फिर भी, अगर आप स्तर को देखें, तो भारतीय टीम सबसे अच्छी है। नायब आईपीएल दिल्ली कैपिटल्स में शामिल रहे हैं, जहां उन्होंने दो मैच खेले हैं। टी20 क्रिकेट को लेकर इस ऑलराउंडर ने कहा कि कोई भी खिलाड़ी खेल का रुख बदल सकता है। उन्होंने कहा, टी20 क्रिकेट में एक खिलाड़ी खेल का रुख बदल सकता है, चाहे वह शीर्ष क्रम का हो, मध्य क्रम का हो या निचले क्रम का, या फिर स्पिनर हो, कोई भी खिलाड़ी अपने दिन खेल को बदल सकता है। खेल इसी दिशा में जाएगा। टी20 को मनोरंजन का खेल बताते हुए उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि टी20 क्रिकेट एक मनोरंजक क्रिकेट है, इसलिए हर कोई देश के लिए कुछ करना चाहता है। एशिया कप में एक जीत और एक हार के साथ अफगानिस्तान तीसरे स्थान पर बना हुआ है।

अश्विन के आईएलटी 20 लीग खेलने की संभावना : व्हाइट

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेशनल टी20 लीग (आईएलटी) 20 के मुख्य कार्यकारी डेविड व्हाइट ने कहा है कि आने वाले समय में दिग्गज स्पिनर आर अश्विन इस लीग से खेल सकते हैं। अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से भी संन्यास ले लिया था। इसके बाद से ही वह विदेशी लीग में खेलने की संभावनाएं तलाश रहे थे। अश्विन के जिन टूर्नामेंटों में खेलने की चर्चा हो रही है। उनमें से एक आईएलटी 20 लीग भी है। ये लीग संयुक्त अरब अमीरात में खेली जाती है। इस लीग के सीईओ व्हाइट ने कहा कि हाल ही में उनकी अश्विन के साथ काफी अच्छी बातचीत हुई है और उन्होंने कहा कि अगर हम उनके स्तर के खिलाड़ी को लाने में सफल रहे तो यह टूर्नामेंट के लिए बहुत बड़ी बात होगी।

व्हाइट ने बताया, अश्विन के साथ हमारी बातचीत बहुत सकारात्मक रही है और उम्मीद है कि निकट भविष्य में वह हमारी लीग में खेल सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, अगर हमें उनके स्तर का कोई खिलाड़ी मिल जाए तो यह बहुत बड़ी बात होगी। वह एक विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। उनके नाम 500 से ज्यादा टेस्ट विकेट, एक शानदार वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर है और उनका क्रिकेट का ज्ञान कमाल का है। उनका एक करिश्माई व्यक्तित्व, खेल की गहरी समझ होना उन्हें अनमोल बनाता है। अगर वह हमारी लीग में खेलते हैं तो हमें बहुत खुशी होगी।

वहीं अश्विन के खिलाड़ी और कोच दोनो ही भूमिका निभाने को लेकर व्हाइट ने कहा, मुझे लगता है कि हम ऐसी किसी भी चीज के लिए तैयार हैं। न केवल उनके खेल और कोचिंग के लिए बल्कि उनके विश्लेषणात्मक कौशल के लिए भी अहम होगा। उनकी अपनी मीडिया कंपनी है, जिस पर वे काम कर रहे हैं। वे बहुत चतुर व्यक्ति हैं। हम सभी पहलुओं का स्वागत करेंगे।

आईसीसी के आरोपों पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का आया बयान, यह प्रोटोकॉल के दायरे में था

अबुधाबी (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने शुक्रवार को अपने मीडिया मैनेजर द्वारा संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के खिलाफ एशिया कप मैच से पहले मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट और टीम अधिकारियों के बीच हुई बैठक का वीडियो बनाने का बचाव करते हुए कहा कि यह ICC प्रोटोकॉल के दायरे में था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने PCB को पत्र लिखकर खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के क्षेत्र (PMOA) संहिता के कई उल्लंघनों का हवाला दिया था जिसमें कोच माइक हेसन, कप्तान सलमान अली आगा और मैनेजर नवीद अकरम चीमा की बातचीत की रिकॉर्डिंग भी शामिल थी।

ICC ने PCB की उस प्रेस विज्ञप्ति पर भी सवाल उठाया था जिसमें कहा गया था कि पाइक्रॉफ्ट ने माफी मांगी है जबकि इसमें स्पष्ट किया गया था कि रैफरी ने केवल एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के स्थल प्रबंधक द्वारा की गई गलतफहमी पर खेद व्यक्त किया था। टूर्नामेंट के एक सूत्र ने बोर्ड की प्रतिक्रिया पर कहा, 'टीम का मीडिया मैनेजर टीम का हिस्सा है और उसे पीएमओए तक जाने की अनुमति है। वहां उसकी मौजूदगी कोई उल्लंघन नहीं है।'

पीसीबी के अनुसार मौजूदा प्रोटोकॉल मीडिया प्रबंधकों को PMOA में कैमरों का इस्तेमाल करने की अनुमति देते हैं। सूत्र ने आगे कहा, 'अगर मानक परिचालन प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया होता तो ICC को मैच रैफरी से यह पूछना चाहिए कि क्या इस मामले की सूचना एसीयू (भ्रष्टाचार रोधी इकाई) को दी गई थी।'

सूत्र के मुताबिक ICC मैच अधिकारी ने इस मामले को पाकिस्तानी टीम के ACU अधिकारी के सामने उठाया था और उन्होंने इसे स्वीकार भी किया था। इससे पहले वैश्विक संस्था ने PCB को भेजे ईमेल में स्पष्ट कहा था। सूत्र ने कहा, 'आईसीसी ने खेल, टूर्नामेंट और संबंधित हितधारकों के हित को बनाए रखने के लिए PCB के अनुरोध को स्वीकार कर लिया, हालाकि यह PMOA के प्रति पूर्ण अनादर दर्शाता है।'

यह सब तब शुरू हुआ जब भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के समकक्ष सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया और पीसीबी ने आईसीसी से मैच रैफरी पर खेल भावना से संबंधित प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने की शिकायत की और उन्हें टूर्नामेंट या पाकिस्तान के मैचों से हटाने की मांग की। ICC ने PCB के दावों को खारिज कर दिया और अपने एलीट पैनल मैच रैफरी का भी समर्थन किया जिससे यह स्पष्ट हो गया कि वह केवल एसीसी स्थल प्रबंधक का संदेश दे रहा था।

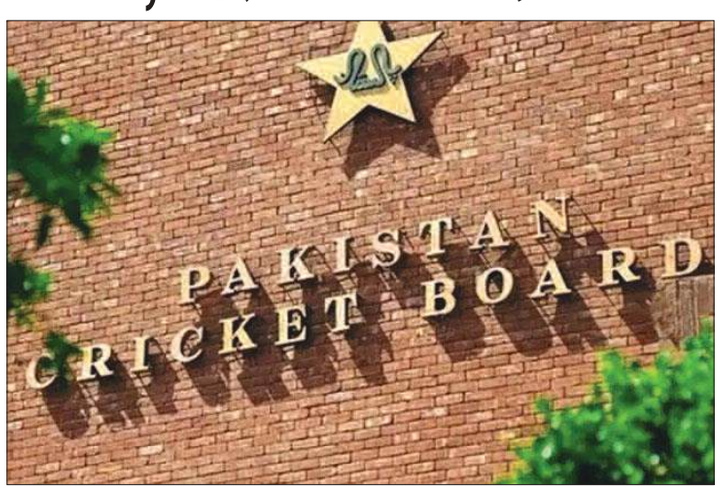

उम्मीद है कि एशेज के पांचों टेस्ट में खेलूंगा : पीठ की समस्या से जूझ रहे पैट कमिंस ने दिया बयान

सिडनी। पीठ की समस्या से जूझ रहे ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पैट कमिंस एशेज के सभी पांच टेस्ट मैचों में खेलना चाहते है। कमिंस ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। खेल क्लबों के लिए जलवायु परिवर्तन से निपटने और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ बने रहने के लिए संघीय सरकार ने 50 मिलियन डॉलर के अनुदान की घोषणा की गई। कमिंस ने स्वीकार किया कि एशेज से पहले वह पूरी तरह से प्रतीक्षा करने और देखने की स्थिति है। कमिंस ने कहा, 'लक्ष्य पांच टेस्ट मैच है। हर गर्मियों में आप पांच टेस्ट मैच खेलने का लक्ष्य रखते हैं। यह मैच थोड़ा अलग हो सकता है क्योंकि आप बाकी मैचों से थोड़े अलग अंदाज में आ रहे हैं। लेकिन शुरुआती लक्ष्य पांच विकेट लेना है। एक बार जब हम करीब पहुंच जाएंगे, तो हम शायद अधिक यथार्थवादी परिस्थितियों पर बात करेंगे। सच कहूं तो यह कहना अभी बहुत दूर की बात है, लेकिन फिलहाल हमारा लक्ष्य इन सबके लिए तैयार रहने का प्रयास करना है।' कमिंस ने इस तथ्य की ओर इशारा किया कि पहले तीन टेस्ट मैचों के कार्यक्रम में आठ दिनों का स्पष्ट अंतराल रखा गया था, इसलिए बैकअप लेना कोई समस्या नहीं हो सकती। लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यह संभावना नहीं है कि ऑस्ट्रेलिया पूरी गर्मियों में एक अपरिवर्तित आक्रमण के साथ टिकेगा। उन्होंने कहा, 'ज्यादातर सालों में, कम से कम एक गेंदबाज तो खेल ही जाता है। जॉश हेजलवुड पिछले साल आखिरी हाफ में नहीं खेल पाए थे। जाहिर है, परिस्थितियां बदलती हैं, लेकिन मुझे लगता है कि आपको बस एक नए गेंदबाज की जरूरत है, जो आकर टेस्ट मैच में बिना पलक झपकाए 40 ओवर गेंदबाजी कर सके।'

ट्रेंड्स नहीं, क्रिएटिविटी के लिए काम करना मेरा मकसद

अभिनेत्री और गायिका सबा आजाद इन दिनों अपनी नई सीरीज सॉन्ग्स ऑफ पैराडाइज को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में अपने करियर के बारे में बात की। साथ ही बताया कि कैसे उन्होंने खुद को इंडस्ट्री में टाइपकास्ट होने से बचाए रखा।

सबा एक प्रोफेशनल वॉयस ओवर आर्टिस्ट और सिंगर भी हैं। उन्होंने रॉकेट बॉयज, बंदर, मुझसे दोस्ती करोगे जैसी कई फिल्मों और सीरीज में बेहतरीन काम किया है। सबा से जब पूछा गया कि अपने करियर में उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाए हैं, यह किसी प्लानिंग का हिस्सा है या फिर अपने आप उन तक ऐसे किरदार पहुंचे। इसका जवाब देते हुए सबा ने आईएएनएस से कहा, मैं हमेशा ऐसे प्रोजेक्ट्स चुनने की कोशिश करती हूं, जो मुझे रोमांचित करें। शुक्र है कि हर प्रोजेक्ट एक-दूसरे से अलग रहा है, जिससे मुझे हर काम में खुद को पूरी तरह झोंकने और कुछ नया सीखने का अवसर मिलता है।

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर कलाकारों को एक ही तरह के किरदार ऑफर होते हैं या उन्हें वैसे रोल्स तक सीमित कर दिया जाता है। इससे वो कैसे बचीं? इस पर अभिनेत्री ने कहा, मैं ट्रेंड्स का पीछा नहीं करती, बल्कि सृजन की खुशी ही मेरे काम की सबसे बड़ी वजह है। क्रिएटिविटी के लिए ही मैं काम करना पसंद करती हूं। सबा आजाद इन दिनों बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन के साथ रिलेशनशिप में हैं। कुछ समय पहले लोगों ने उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया था और कहा था कि ऋतिक की गर्लफ्रेंड हो, तुम्हें काम करने की क्या जरूरत? उन्होंने ट्रोल्स को करारा जवाब देकर उनकी बोलती बंद कर दी थी।

सबा आजाद ने 2008 में डायरेक्टर अनिल सीनियर की फिल्म 'दिल कबड्डी' से बॉलीवुड में कदम रखा था। सबा आजाद बहुत जल्द फिल्म 'बंदर' में दिखाई देंगी। इसे टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (टीआईएफएफ) के 50वें संस्करण में प्रीमियर किया गया था। इसकी कहानी बलात्कार के आरोपी एक सुपरस्टार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो कानूनी व्यवस्था में व्याप्त अन्याय को उजागर करती है। इसे निखिल द्विवेदी और अनुराग कश्यप ने डायरेक्ट किया है। इसमें बॉबी देओल, सान्या मल्होत्रा और सपना पब्बी जैसे सितारे भी हैं।

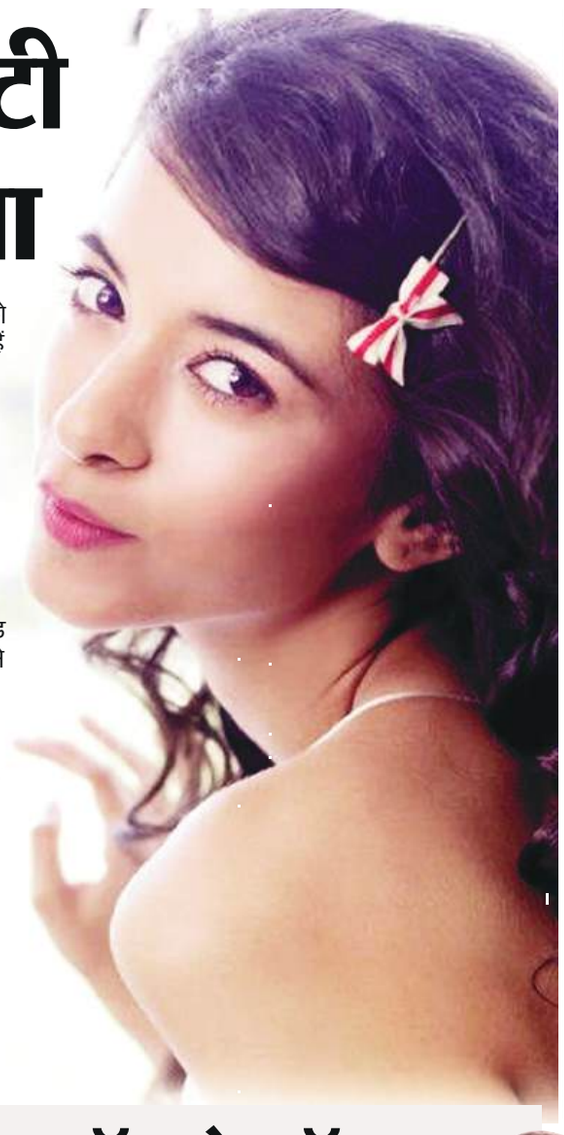

एआई के प्रयोग पर वरुण-जान्हवी ने जताई चिंता

इन दिनों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जहां लोगों का काम आसान कर रहा है, वहीं कई लोग इसके गलत इस्तेमाल से चिंता में हैं। हाल ही में बॉलीवुड के कलाकार वरुण धवन और जान्हवी कपूर ने बढ़ते एआई के चलन पर चिंता जाहिर की है। दोनों ने बताया है कि एआई को लेकर क्या सावधानी बरतने की जरूरत है।

एआई पर वरुण ने रखी राय

वरुण धवन और जान्हवी कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंचे थे। उन्होंने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में एआई के गलत इस्तेमाल पर अपनी राय रखी। वरुण धवन ने कहा तकनीक का इस्तेमाल बहुत ही जिम्मेदारी का काम है। कलाकारों के हक को सुरक्षित रखने के लिए नियम कानून बनाने की जरूरत है। उन्होंने एआई के इस्तेमाल पर कहा हम ऐसे वक्त में पहुंच जाएंगे, जहां कलाकारों की जरूरत नहीं पड़ेगी हम उन्हें खुद बनाएंगे।

जान्हवी कपूर ने जाहिर की चिंता

इसी तरह से जान्हवी कपूर ने एआई के इस्तेमाल पर अपनी राय रखते हुए कहा यह सिर्फ कलाकारों के लिए खतरे की बात नहीं है, बल्कि टेक्नीशियनों के लिए भी है। मैं पिछले कई महीनों से देख रही हूं कि कैसे एआई की मदद से चीजें की जा रही हैं। पहले किरदार का लुक तय करने में वक्त लगता था। अब वह तुरंत दिखा देते हैं कि किरदार कैसा होगा और उसकी कहानी कैसी होगी। इससे जरूर पैसों की बचत होगी लेकिन मुझे लगता है कि एक रचनात्मक इंसान के पास जो कुछ है उसे संरक्षित करने की जरूरत है।

रिलीज हुआ फिल्म का ट्रेलर

इस बीच, वरुण धवन और जान्हवी कपूर की फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। दो मिनट चौवन सेकंड के इस ट्रेलर की शुरुआत अभिनेता वरुण धवन द्वारा सान्या मल्होत्रा को प्रपोज करने से होती है, जिसे सान्या ठुकरा देती हैं। इसके बाद वरुण धवन, जान्हवी कपूर के साथ मिलकर उन्हें वापस पाने की योजना बनाते हैं। शशांक खेतान द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2 अक्टूबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

'बिग बॉस-19' से बाहर होने के बाद नगमा मिराजकर ने भावुक पोस्ट

कंटेस्टेंट नगमा मिराजकर 'बिग बॉस-19' के घर से बाहर हो गई हैं। इससे बाहर होने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट लिखा है। पोस्ट में नगमा ने बताया कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह इतनी जल्दी बाहर हो जाएंगी। नगमा मिराजकर ने इंस्टाग्राम पर वीकेंड का वार के एपिसोड का एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, के दिल अभी भरा नहीं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इतनी जल्दी बाहर हो जाऊंगी। अगर मैंने अपने फैंस को निराश किया है तो मैं उनसे माफी चाहती हूं। बिग बॉस हाउस में मेरा स्वास्थ्य थोड़ा सही नहीं था, लेकिन फिर भी मैंने अपने बारे में बहुत कुछ सीखा। ये ऐसे सबक हैं जो मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी। इस सफर का हिस्सा बनना मेरे जीवन के सबसे बड़े अवसरों में से एक था और इसके लिए मैं बेहद आभारी हूं।

कंटेस्टेंट ने कहा कि शो में बनी हर याद उनके दिल के करीब रहेगी। उन्होंने लिखा, बिग बॉस के घर की हर हंसी, हर आंसू, हर खामोशी और अंदर की हर याद हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगी। मुझे उस घर में रहने का एहसास बहुत याद आएगा। हालांकि मेरा सफर जल्दी खत्म हो गया, लेकिन मेरा दिल अभी भी उस घर के अंदर उन लोगों के साथ है जिन्हें मैं प्यार और सम्मान करती हूं। नगमा ने कहा कि वह अपने लवर आवेज दरबार को बाहर से सपोर्ट करती रहेंगी। फिलहाल वे शो में एक अच्छे कंटेस्टेंट के रूप में नजर आ रहे हैं। नगमा ने उनके बारे में लिखा, मैं अपने प्यार, आवेज का समर्थन करूंगी और मैं उसे वहां चमकते हुए देखने के लिए बेताब हूं। घर में मौजूद मेरे कुछ दोस्तों का धन्यवाद जिन्होंने इस सफर को मेरे लिए खास बनाया! इस पोस्ट के अंत में उन्होंने लिखा कि यह अंत नहीं है, यह उनके जीवन का एक और अध्याय है जिसे वे हमेशा संजोकर रखेंगी। बता दें कि बहुत जल्द आवेज और नगमा शादी करने वाले हैं। बिग बॉस के घर से बाहर निकलने के बाद नगमा अपनी शादी की तैयारियों में जुट गई हैं।

हम दोस्त नहीं हैं...

जल्द ही ट्विंकल खन्ना और काजोल एक चैट शो 'टू मच' में बतौर होस्ट साथ नजर आएंगी। इस शो के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में दोनों मौजूद थीं। इनके बीच अच्छी बान्डिंग नजर आई, इसके बावजूद ट्विंकल ने काजोल को अपनी दोस्त मनाने से इंकार कर दिया।

एक-दूसरे पर भरोसा करते हैं

इवेंट में ट्विंकल ने कहा, 'मैं शो में काजोल को बहन कहती हूं। हम दोस्त नहीं हैं बल्कि बहनें हैं। हम एक-दूसरे का मजाक उड़ाते हैं, एक-दूसरे को परेशान करते हैं। लेकिन हमको एक-दूसरे पर भरोसा है। हम एक-दूसरे को सपोर्ट करते हैं। यह हमारी बॉन्डिंग का राज है।' काजोल भी ट्विंकल की बात पर हामी भरती हैं।

कब से आएगा काजोल और ट्विंकल का शो

काजोल और ट्विंकल खन्ना का यह नया टॉक शो 'टू मच' 25 सितंबर से अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाला है। इस शो के हालिया रिलीज ट्रेलर में कई बॉलीवुड सेलेब्स नजर आए, जो मेहमान बनकर आएंगे। शो के ट्रेलर में आमिर, सलमान खान, गोविंदा, चंकी पांडी, वरुण धवन, आलिया भट्ट, विक्की कौशल, कृति सेनन, करण जौहर और जान्हवी कपूर नजर आए।

बिग बॉस के ऑफर को तनुश्री दत्ता ने हर बार ठुकराया

अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने हाल ही में बिग बॉस को लेकर बड़ा खुलासा किया है। एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया है कि उन्हें पिछले 11 वर्षों से बिग बॉस में भाग लेने की पेशकश की जा रही है। हालांकि उन्होंने इसमें हिस्सा लेने से लगातार इनकार किया है। शो में हिस्सा लेने के लिए उन्हें 1.65 करोड़ रुपये की पेशकश की गई। उन्होंने कहा कि निर्माता चाहे उन्हें चांद भी ऑफर करें तो भी वह रियलिटी शो का हिस्सा नहीं बनेंगी।

परिवार के साथ नहीं रहतीं त

बॉलीवुड ठिकाना से बातचीत में तनुश्री ने बताया कि उनके लगातार मना करने के बावजूद, मेकर्स हर साल उन्हें शो में हिस्सा लेने के लिए कहते हैं। वह उन्हें समझाती हैं कि वह ऐसी जगह कभी नहीं रह सकतीं। उन्होंने आगे कहा कि वह अपने परिवार के साथ भी नहीं रहतीं, योंकि हर किसी को अपनी जगह चाहिए होती है।

ज्यादा पैसों की पेशकश की गई

तनुश्री दा ने कहा उन्होंने मुझे शो में भाग लेने के लिए 1.65 करोड़ रुपये की पेशकश की। उन्होंने एक दूसरी बॉलीवुड अभिनेत्री को भी इतनी ही राशि दी थी, वह भी मेरे स्तर की अभिनेत्री थीं। बिग बॉस से जुड़े एक व्यक्ति ने मुझसे कहा कि वह ज्यादा पैसे की पेशकश कर सकते हैं, लेकिन मैंने इनकार कर दिया। अभिनेत्री ने कहा कि बिग बॉस में पुरुष और महिलाएं एक ही बिस्तर पर सोते हैं और एक ही जगह पर लड़ते हैं। इस तरह की चीजें वह कभी नहीं कर सकतीं।

खान-पान को लेकर सजग हैं अभिनेत्री

दा ने कहा मैं अपने खान-पान को लेकर भी बहुत सजग हूं। वह कैसे सोच सकते हैं कि मैं ऐसी लड़की हूं जो एक रियलिटी शो के लिए एक लड़के के साथ एक ही बिस्तर पर सोएगी? मैं इतनी सस्ती नहीं हूं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे मुझे कितने करोड़ देते हैं।

तनुश्री दत्ता का काम

तनुश्री दत्ता ने 2005 में इमरान हाशमी और सोनू सूद के साथ फिल्म आशिक बनाया आपने से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद, उन्होंने ढोल, भागम भाग, 36 चाइना टाउन और गुड बॉय, बैड बॉय जैसी कई फिल्मों में अभिनय किया।

सेलेब्स ने पैसे देकर खरीदे फॉलोवर्स

अमीषा पटेल ने बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में बताया कि कई लोग ऐसे हैं, जो उन्हें पसंद नहीं करते क्योंकि वह उनकी चापलूसी नहीं करती हैं। साथ ही शराब और सिगरेट नहीं पीती हैं। उन्होंने बताया कि कई सेलेब्स के सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स पैसे देकर खरीदे गए हैं।

अमीषा पटेल का इनसाइडर्स पर गुस्सा फूटा। एक्ट्रेस अमीषा पटेल बेबाकी से अपनी बात रखती हैं। वह जिस फिल्म में काम करती हैं, उसके भी डायरेक्टर-प्रोड्यूसर की गलती बताने में पीछे नहीं हटतीं। उन्होंने एक इंटरव्यू में बॉलीवुड इंडस्ट्री के बारे में अपनी राय रखी हैं। कहो ना... प्यार है की सफलता के बावजूद, उन्हें उस तरह का फेम नहीं मिला, जिसकी वह हकदार रहीं। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में कई ऐसे लोग हैं, जो उन्हें पसंद नहीं करते हैं।

एक्ट्रेस ने आगे बताया कि 90 फीसदी सेलिब्रिटीज के सोशल मीडिया फॉलोवर्स खरीदे हुए होते हैं। एजेंसियां लोगों से कॉन्टैक्ट करती है और एक मोटा पैसा मांगती है। साथ ही उसके बदले वह उन्हें लाखों फॉलोवर्स देने का वादा करती है।

हम सभी से उस एजेंसी ने कॉन्टैक्ट किया है। कई सेलिब्रिटी सोशल मीडिया अकाउंट्स के फॉलोवर्स का एक बड़ा हिस्सा पेड है। ये रियल फॉलोवर्स नहीं हैं। मुझसे कई बार पैसे मांगे गए लेकिन हमेशा मेंने मना किया। मुझे अपने असली फैंस पसंद हैं। मैं नहीं चाहती कि लोग मुझे इसलिए फॉलो करें क्योंकि मैंने इसके लिए पैसे दिए हैं। अमीषा पटेल ने बातचीत में कहा, दर्शकों का प्यार मैटर करता है। चाहे आप किसी भी कैंप का हिस्सा हों। हां क्योंकि मैं किसी खास सर्कल में फिट नहीं बैठती और न शराब पीती और न स्मोक करती हूं और न ही काम के लिए चापलूसी करती हूं, जो भी कमाया है वो अपनी काबिलियत के आधार पर ही हासिल किया है। इसके कारण कुछ लोग मुझे पसंद नहीं करते हैं। मैं किसी के आगे पीछे नहीं घूमती।

अमीषा का अकाउंट है रियल

एक्ट्रेस ने बताया, मेरा इंस्टा और ट्विटर अकाउंट रियल है। मैं कभी कोई फोटोशूट नहीं पोस्ट करती। अपनी फोटो जैसी होती है, वैसी ही अपलोड करी हूं। मेरी तस्वीरों में परफेक्ट कंपोजिशन, कैप्शन और फॉन्ट सही नहीं होता। मैं चाहती हूं कि मैं जैसी हूं, वैसी ही दिखूं।

खुद को बताया आउटसाइडर

अमीषा पटेल ने आगे कहा कि खुद को आउटसाइडर कहा और बताया कि उनके लिए कितना चैलेंजिंग रहा, आपके लिए इंडस्ट्री में तब और मुश्किल होती है, जब यहां से आपका कोई बॉयफ्रेंड या फिर पति न हो। बिना खुद को पावर कपल के रूप में पेश करने पर भी मुश्किल हो जाता है। दूसरों से कम सपोर्ट मिलता है। उनके पास भी आपको सपोर्ट करने के लिए कोई खास वजह नहीं है क्योंकि आप एक आउटसाइडर हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।